सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 14, नई दिल्ली । बुधवार, 27 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यदि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगे तो कोई और खुद के लिए आपको भाड़े पर रख लेगा ।

03 आप के राघव चड्ढा,थाम सकते हैं बीजेपी का कमल

06 मुक्त व्यापार समझौतों की अहमियत

08 केजरीवाल की गिरफ्तारी पर आप पार्टी का प्रदर्शन

एनएच 44: भारत का सबसे लंबा हाईवे, जानें इसे क्यों कहा जाता है राष्ट्रीय राजमार्गों की रीढ़

क्या आप जानते हैं कि भारत का सबसे लंबा नेशनल हाईवे कौन है। आखिर NH44 की वो क्या खूबियां हैं। यहां हम आपको NH44 के बारे में 6 मजेदार फैक्ट्स बता रहे हैं।

संजय बाटला

नई दिल्ली। NH44 भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाईवे) है। इसे पुराने NH 7 के नाम से भी जाना जाता है। यह जम्मू और कश्मीर के उत्तरी छोर पर श्रीनगर को भारत के सबसे दक्षिणी बिंदु कन्याकुमारी से जोड़ते हुए पूरे 3,745 किलोमीटर (2,327 मील) तक फैला हुआ है।

मल्टी-स्टेट हाईवे

NH44 कुल 11 भारतीय राज्यों को पार करता है, जो इसे देश की विशालता और विविधता का सच्चा प्रमाण बनाता है। यह राजमार्ग जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु से होकर गुजरता है।

इतिहास का सफर

NH44 आगरा, दिल्ली, हैदराबाद और बंगलुरू जैसे महत्वपूर्ण स्थानों से होकर गुजरता है। NH44 नामित होने से पहले, इस राजमार्ग को देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग नामों से जाना जाता था। कुछ पूर्व नामों में NH 1A, NH 1, NH 2, NH 3, NH 75, NH 26 और NH 7 शामिल हैं।

आर्थिक गलियारा

NH44 भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कृषि केंद्रों, औद्योगिक केंद्रों और प्रमुख बंदरगाहों को जोड़ते हुए पूरे देश में माल और सेवाओं के परिवहन के लिए एक प्रमुख सूत्र के रूप में काम करता है।

सबको मिलाता है

NH44 को एक सिंगल कंटीन्यूअस हाईवे के रूप में नहीं बनाया गया था। यह वास्तव में पहले से मौजूद सात राष्ट्रीय राजमार्गों का एक महामिलन है। इस एकीकरण ने परिवहन को सुव्यवस्थित किया और एक महत्वपूर्ण उत्तर-दक्षिण संपर्क बनाया।

ग्लोबल रैंकिंग

हालांकि NH44 भारत का सबसे लंबा हाईवे है। यह विश्व पटल पर भी अपना स्थान रखता है। यह विश्व स्तर पर सबसे लंबे राष्ट्रीय राजमार्गों में 22वें स्थान पर है, जो भारत के सड़क नेटवर्क के विशाल पैमाने को दिखाता करता है।

रंगोत्सव के बाद दिल्ली, बद्दी और चंडीगढ़ के बसें फुल, सीट के लिए जद्दोजहद

नई दिल्ली/हमीरपुर। होली पर्व के बाद चंडीगढ़, दिल्ली और बद्दी लौट रहे नौकरीपेशा लोगों को बस स्टैंड हमीरपुर में बसों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। सुबह सात बजे से ही बस स्टैंड में भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। दोपहर तक लंबे रूट की बसों में यात्रियों को बस के काउंटर पर टिकट के लिए जद्दोजहद करनी पड़ी। हमीरपुर बस स्टैंड पर होली की दो दिन की छुटटी के बाद भीड़ नजर आई। छुट्टी के बाद अपने रोजगार के लिए दिल्ली और चंड़ीगढ लौट रहे नौकरीपेशा लोगों को अपने गंतव्य तक जाने के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ा। युवाओं दिनेश, राहुल व ईशान ने कहा कि वह सुबह नौ बजे से बस स्टैंड में खड़े हैं लेकिन उन्हें बस में सीट नहीं मिल पा रही है। कुछ बसें रूट पर गई हैं लेकिन यात्रियों की भीड़ बेहद अधिक है। यदि विशेष बसें नहीं चलाई गईं तो उनकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वहीं, एचआरटीसी हमीरपुर डिपो के डीडीएम राजकुमार पाठक ने कहा कि लोकल सभी रूटों को दोबारा शुरू कर दिया गया है। दो दिन तक होली का अवकाश था, अब लोग अपने रोजगार के लिए लौट रहे हैं। लोगों को दिक्कत का सामना न करना पड़े, इस के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि अधिक डिमांड न आने की वजह से कोई स्पेशल बसें नहीं चलाई गई हैं। एचआरटीसी डिपो हमीरपुर की तरफ से होली उत्सव सुजानपुर और ऊना जिले के बाबा वडभाग सिंह मेलों के लिए विशेष बसें चलाई जा रही हैं। मेले के चलते भी बस स्टैंड पर भीड़ उमड़ रही है। डिमांड के मुताबिक ही बसें चलाई जा रही हैं। इसके अलावा बाबा बालक नाथ मंदिर में चैत्र मेले के लिए शाहतलाई से दियोटसिद्ध के लिए विशेष बसों की व्यवस्था निगम की तरफ से की गई है।

दिल्ली में ग्रामीण सेवा स्कीम के लिए उपलब्ध 6 +1 इलेक्ट्रिक वाहन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आईकेट वाहन टेस्टिंग सेंटर द्वारा गुजरात के एक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता के वाहन को भारत देश में सड़को पर चलने का प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट) जारी कर दिया है, जल्द ही इस वाहन निर्माता के वाहन दिल्ली में उपलब्ध होंगे। **6 + 1 में यह पहला वाहन है जो दिल्ली में ग्रामीण सेवा चालकों के लिए उनके पुराने हो चुके वाहन की रिप्लेसमेंट करने में सहायक बन सकता है क्योंकि ग्रामीण सेवा स्कीम में वाहन मालिकों को 6+1 वाहन ही लेना अनिवार्य किया हुआ है** आज की तारीख में दिल्ली में किसी भी वाहन निर्माता द्वारा निर्मित सीएनजी / इलेक्ट्रिक वाहनों में 6+1 सवारी वाहन उपलब्ध नही था पर अब अप्रैल महीने में एक साथ तीन वाहन निर्माताओं के द्वारा निर्मित और आई केट द्वारा सर्टिफिकेट प्राप्त 3पहिया 6+1 सवारी वाहन उपलब्ध होने की आशा है।

उत्तर प्रदेश में इंडियन ऑयल लगाएगा 2600 चार्जिंग प्वाइंट एक्सप्रेस वे और हाइवे पर फैलेगा चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क

परिवहन विशेष न्यूज

जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है तेल कंपनियों पर पेट्रोल और डीजल के साथ चार्जिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराने का जोर पड़ता जा रहा है। वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए इंडियन आयल अगले वित्तीय वर्ष में करीब 660 चार्जिंग प्वाइंट लगाने जा रहा है। इनमें से करीब दो सौ फास्ट चार्जिंग स्टेशन होंगे।

लखनऊ। जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है तेल कंपनियों पर पेट्रोल और डीजल के साथ चार्जिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराने का जोर पड़ता जा रहा है। वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए इंडियन आयल अगले वित्तीय वर्ष में करीब 660 चार्जिंग प्वाइंट लगाने जा रहा है। इनमें से करीब दो सौ फास्ट चार्जिंग स्टेशन होंगे।

फास्ट चार्जिंग स्टेशन बीस किलोवाट के होंगे और करीब पचास मिनट में वाहन को चार्ज कर देंगे। एक बार बैटरी चार्ज होने के बाद ढाई सौ से पौने तीन सौ किलोमीटर तक जाया जा सकेगा। इंडियन आयल की योजना दो साल बाद तक यानी 2026 तक करीब 2600 स्टेशन लगाने की योजना है।

अगर कंपनी की योजनानुसार समय से चार्जिंग प्वाइंट लग गए तो सड़कों पर काफी हद तक चार्जिंग करने की दिक्कत कम हो जाएगी। प्रदेश में करीब साढ़े पांच लाख इलेक्ट्रानिक वाहनों का अब तक पंजीकरण हो चुका है। पिछले कुछ सालों में कई कार कंपनियां इलेक्ट्रानिक वाहनों को ही बना रही हैं। इतनी बड़ी संख्या में इलेक्ट्रानिक वाहन सड़कों पर आ रहे हैं जिसके कारण चार्जिंग स्टेशन लगाने की आवश्यक्ता बढ़ती जा रही है।

इंडियन आयल की योजना प्रत्येक जिले में चार्जिंग की सुविधा अपने पंपों पर उपलब्ध कराने की है। दरअसल इलेक्ट्रानिक वाहनों के लिए अलग से स्टेशन बनाने की जरूरत नही है। अपने ही पंपों पर चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कंपनी की योजना है कि अगले दो-तीन साल में सभी एक्सप्रेस वे और हाइवे चार्जिंग स्टेशनों से कवर हो जाएं।

सीबीआई, ईडी और सीआईडी में क्या फर्क है, जानें

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में जब भी कोई अपराध होता है तो तीन एजेंसियों के नाम हमेशा सुनने को मिलते हैं। सीबीआई, सीआईडी और ईडी। आजकल ईडी की सबसे ज्यादा चर्चा है, वजह है कई बड़े नेताओं को यहां तक कि मुख्यमंत्री को भी ये मनी लॉन्ड्रिंग केस में अंदर कर चुकी है। कई ऐसे नेता हैं जिनके खिलाफ सीबीआई और ईडी दोनों के मामले चल रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि एक ही एजेंसी क्यों नहीं केस हैंडल करती है, अलग-अलग क्यों? जवाब है सभी का अपना एक अलग क्षेत्र होता है। क्राइम के हिसाब से ही एजेंसियां अपनी शक्तियों का प्रयोग करके आरोपियों के खिलाफ जांच करती है।

क्या है सीबीआई सीबीआई का गठन 1963 में हुआ था। हालांकि इसका अस्तित्व द्वितीय विश्वयुद्ध के समय से है। 1941 में इसकी नींव रखी गई थी, हालांकि आज जो सीबीआई का स्वरूप है वो 1963 में अस्तिव में आया था। सीबीआई का पूरा नाम केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (Central Bureau of Investigation) है। सीबीआई भारत सरकार के कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत मंत्रालय के कार्मिक विभाग के तहत कार्यरत भारत में प्रमुख जांच पुलिस एजेंसी है। ऐसे तो सीबीआई सीधे केंद्र सरकार के अंदर आती है, लेकिन विभागीय स्तर पर इसका मुखिया सीबीआई डायरेक्टर होते हैं।

सीबीआई का काम सीबीआई का प्राथमिक कार्य भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध, धोखाधड़ी और हाई-प्रोफाइल मामलों जैसे गंभीर और जटिल अपराधों की जांच करना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निहितार्थ वाले अपराधों की जांच के लिए सीबीआई अन्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करती है।

ईडी क्या है प्रवर्तन निदेशालय (Directorate of Enforcement) एक कानून प्रवर्तन एजेंसी और आर्थिक खुफिया एजेंसी है, जो भारत में आर्थिक कानूनों को लागू करने और आर्थिक अपराधों से लड़ने के लिए बनाई गई है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग का हिस्सा है। सीबीआई की तरह ईडी भी केंद्र सरकार के अधीन आती है, विभागीय स्तर पर इसके मुखिया ईडी डायरेक्टर होते हैं।

ईडी का काम प्रवर्तन निदेशालय का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के तीन प्रमुख अधिनियमों के तहत कार्य करना है। यानि कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) और धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए), और भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (एफईओ) के अंतर्गत यह काम करती है। प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग, विदेशी मुद्रा उल्लंघन, भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराधों से संबंधित मामलों की जांच और मुकदमा चलाने पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य काले धन की उत्पत्ति और प्रसार पर अंकुश लगाना और विदेशी मुद्रा और मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम से संबंधित कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करना है।

सीआईडी क्या है अपराध जांच विभाग (CID) या अपराध शाखा भारत के राज्य पुलिस विभागों की एक शाखा है, जो अपने-अपने राज्यों में क्राइम की जांच करती है। सीआईडी की कार्यशैली ब्रिटिश पुलिस बलों के आपराधिक जांच विभागों पर आधारित है। यह राज्य पुलिस की विशेष जांच शाखा है और इसका नेतृत्व पुलिस महानिदेशक या अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) रैंक का एक अधिकारी करता है।

सीआईडी के कई नाम पहली सीआईडी ब्रिटिश सरकार द्वारा 1902 में बनाई गई थी। कुछ राज्य अपनी सीआईडी इकाइयों के लिए अलग-अलग नामों का उपयोग करते हैं। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में, सीआईडी को अपराध जांच विभाग के रूप में जाना जाता है। असम, बिहार, हरियाणा, उत्तर में प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर में इसे आपराधिक जांच विभाग के रूप में जाना जाता है। दिल्ली और केरल में सीआईडी को अपराध शाखा के रूप में जाना जाता है।

सीबीआई, ईडी और सीआईडी में अंतर

- सीबीआई और ईडी जहां केंद्रीय एजेंसियां हैं, वहीं सीआईडी राज्य की एजेंसी है।
- सीबीआई हत्या, घोटालों, अपहरण, रेप जैसे अपराधों की जांच करती है।
- ईडी मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों की जांच करती है।
- ईडी को राज्य सरकार से अनुमति लेने की जरूरत नहीं होती है।
- जब सीबीआई को राज्य सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है।
- सीबीआई अपनी जांच और कार्रवाई भारतीय दंड संहिता (CRPC) की तहत ही करती है।
- जबकि ईडी PMLA, FEOA और FEMA जैसे विशेष कानूनों पर काम करती है।
- सीआईडी राज्य सरकार की शक्तियों के अधीन काम और जांच करती है।

पीएमएलए कानून क्या है: दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ ही एक बार फिर से धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) की चर्चा हो रही है। पीएमएलए एक्ट इतना मजबूत है कि इसके लपेट में अधिकारी से लेकर सांसद तक और मंत्री से लेकर सीएम तक आ चुके हैं। पीएएमएल एक्ट से ईडी को इतनी शक्ति मिलती है कि वो इस एक्ट के तहत बड़े से बड़े लोगों को पूछताछ से लेकर गिरफ्तार कर सकती है। इस कानून के तहत बेल मिलना भी मुश्किल हो जाता है।

क्या है धन शोधन निवारण अधिनियम (What Is PMLA Act) मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम यानि कि धन शोधन निवारण अधिनियम को 2002 में लाया गया था, तब केंद्र में बीजेपी की सरकार थी। एनडीए सरकार ने मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने और मनी-लॉन्ड्रिंग से प्राप्त संपत्ति की जब्ती का प्रावधान करने के लिए इस कानून को लाया था। **पीएमएलए और इसके तहत अधिसूचित नियम** । जुलाई, 2005 से लागू हुए। इस अधिनियम में वर्ष 2005, 2009 और 2012 में संशोधन किया गया था।

PMLA ACT का उद्देश्य

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून का मुख्य उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग को रोकना है। इस कानून के तहत गैर कानूनी तरीके से कमाए गए धन को जब्त करने का अधिकार ED के पास है। इस एक्ट का अन्य उद्देश्य आर्थिक अपराधों में काले धन के इस्तेमाल को रोकना है pmla act.

पीएमएलए एक्ट का उद्देश्य (PMLA Act Objectives)

पीएमएलए कानून का मुख्य उद्देश्य भारत में मनी लॉन्ड्रिंग से निपटना चाहता है और इसके तीन मुख्य उद्देश्य हैं।

- मनी लॉन्ड्रिंग को रोकना और नियंत्रित करना।
- लूटे गए धन से प्राप्त संपत्ति को जब्त करना।
- भारत में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े किसी भी अन्य मुद्दे से निपटना।

पीएमएलए एक्ट के तहत सजा का प्रावधान

(PMLA Act Punishment)

पीएमएलए एक्ट के तहत मनी लॉन्ड्रिंग केस में दोषी पाए जाने के बाद व्यक्ति को तीन साल से सात साल तक के कठोर कारावास का दंड मिल सकता है। जहां अपराध की आय अनुसूची के भाग ए के पैराग्राफ 2 के तहत किसी भी अपराध से संबंधित है (मादक दवाओं के तहत अपराध) और साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985) के तहत अधिकतम सज़ा 7 साल की बजाय 10 साल तक हो सकती है।

क्या है मनी लॉन्ड्रिंग

- अवैध तरीके से कमाए गए ब्लैक मनी को सफेद करने की तरकीब मनी लॉन्ड्रिंग कहलाती है
- मनी लॉन्ड्रिंग अवैध कमाई को छुपाने का एक जरिया है, जहां करोड़ों रुपये ही हेराफेरी होती है

पैसों की इसी हेराफेरी को रोकने के लिए पीएमएलए कानून बनाया गया

money laundring.

पीएमएलए एक्ट में जमानत (PMLA Act Bail Process)

पीएमएलए एक्ट को जबसे ज्यादा सख्त बनाता है, वो है इस कानून की धारा 45। पीएमएलए एक्ट की धारा 45 में आरोपी की जमानत के लिए कठोर शर्तें हैं। पीएमएलए एक्ट में अग्रिम जमानत का प्रावधान नहीं है। इस कानून के तहत सारे अपराध संज्ञेय और गैर जमानती हैं। इसमें दोषी को ही कोर्ट में अपने आप को बेगुनाह साबित करना होता है।

पीएमएलएल एक्ट के तहत गिरफ्तार बड़े नाम

पीएमएलएल एक्ट के तहत अब तक कई नेता गिरफ्तार हो चुके हैं। जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन, आप सांसद संजय सिंह, बीआरएस नेता और केसीआर की बेटी के कविता जैसे नाम शामिल हैं।

बच्चे के जन्म के बाद क्या आपको भी हो रही है ये दिक्कतें? हो सकता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन, समय रहते करें इलाज

बच्चे को जन्म देने के बाद तकरीबन 15 प्रतिशत महिलाएं शरीर में थकान, मूड में बदलाव और उदासी जैसी दिक्कतों से गुजरती हैं. इनमें ज्यादातर महिलाएं इसको ज्यादा गंभीरता से नहीं लेती हैं, जबकि इन चीजों को हल्के में नहीं लेना चाहिए. क्योंकि ये दिक्कतें बेबी ब्लूज से बढ़कर प्रसवोत्तर अवसाद (Postpartum depression) की वजह से हो सकती हैं.

बच्चे के जन्म के बाद कुछ महिलाओं को मूड में बदलाव, थकावट और निराशा जैसी दिक्कतें होती हैं. जिस पर ज्यादातर महिलाएं ध्यान नहीं देती हैं, जबकि इन चीजों को आपको हल्के में नहीं लेना चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि इसकी वजह प्रसवोत्तर अवसाद (Postpartum depression) हो सकता है. ऐसे में अगर आप भी हाल ही में मां बनी हैं और आपको भी इस तरह की दिक्कत से गुजरना पड़ रहा है तो आपको इसके बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है.

बड़ा दें कि प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण हर किसी में अलग हो सकते हैं. इतना ही नहीं ये लक्षण हर दिन भी अलग-अलग हो सकते हैं. जिन पर आपको गौर करने की जरूरत है. तो आइए हेल्थलाइन डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं कि प्रसवोत्तर अवसाद के क्या लक्षण हो सकते हैं और इनके महसूस होने पर आपको क्या करना चाहिए.

प्रसवोत्तर अवसाद क्या है?

प्रसवोत्तर या प्रसवकालीन अवसाद (postpartum depression) एक प्रकार का डिप्रेशन है, जो बच्चे के जन्म के बाद होता है. बच्चे के जन्म के बाद 7 में से 1 नई मां को यानी तकरीबन 15 प्रतिशत महिलाओं को इस दिक्कत से गुजरना पड़ता है. इसके लक्षण बच्चे के जन्म के बाद कभी भी विकसित हो सकते हैं. लेकिन नॉर्मली ये बच्चे के जन्म के 1 से 3 सप्ताह के भीतर शुरू हो जाते हैं. इस दौरान आप खुद को बहुत भावनाहीन और उदास महसूस कर सकती हैं. तो वहीं ये आपके मूड में बदलाव, थकावट और निराशा की वजह भी बन सकता है. प्रसवोत्तर अवसाद आपसे जुड़े हर किसी व्यक्ति और आपके बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है. इसलिए इस डिप्रेशन को सामान्य न समझ कर इलाज के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए. जिससे आप समय रहते इस परेशानी से उबर सकें.

पोस्टपार्टम डिप्रेशन और बेबी ब्लूज एक ही है?

प्रसवोत्तर अवसाद (पोस्टपार्टम डिप्रेशन) ज्यादा दिनों तक रहता है और ये बेबी ब्लूज से ज्यादा सीरियस होता है. बेबी ब्लूज में आप खुद को बहुत उदास, खाली, मूडी या थका हुआ महसूस कर सकती हैं, जबकि प्रसवोत्तर अवसाद उससे कहीं आगे बढ़ जाता है. यह बच्चे को जन्म देने के बाद कई हफ्तों तक बना रहता है. इसके लक्षण गंभीर हो सकते हैं और आपकी कार्य करने की क्षमता में बाधा डाल सकते हैं.

क्या हैं प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण?

प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण हर महिला में अलग-अलग हो सकते हैं, जो कई बार हर दिन बदल भी सकते हैं. इस दौरान नयी मां खुद को बच्चे से कटा हुआ महसूस कर सकती है. साथ ही ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आप अपने बच्चे से प्यार नहीं करतीं. इसके साथ ही आपका उदास होना, बहुत रोना, अपने बच्चे को या खुद को चोट पहुंचाने का विचार आना, बच्चे में रुचि न होना, बॉडी में एनर्जी न होना, खुद को बेकार और दोषी महसूस करना, खुद को बुरी मां समझना, बहुत ज्यादा या बहुत कम सोना, बेचैनी महसूस होना, लंबे समय तक सिरदर्द या पेट की समस्या होना जैसे लक्षण शामिल हैं. अगर आप खुद में प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण महसूस कर रही हैं. तो आपको इसके इलाज के लिए जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाना चाहिए. इसके इलाज में दवाओं के साथ कुछ थेरेपी भी शामिल हो सकती हैं।

30 की उम्र के बाद महिलाओं को जरूर फॉलो करना चाहिए 6 गोल्डन रूल्स, रहेंगी हेल्दी और ब्यूटीफुल

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर टाइटनेस, ड्राइनेस, रिंकल और फाइन लाइन बनने लगती है. यही नहीं हमारी फिटनेस भी जाने लगती है. आइए जानते हैं इसका उपाय.

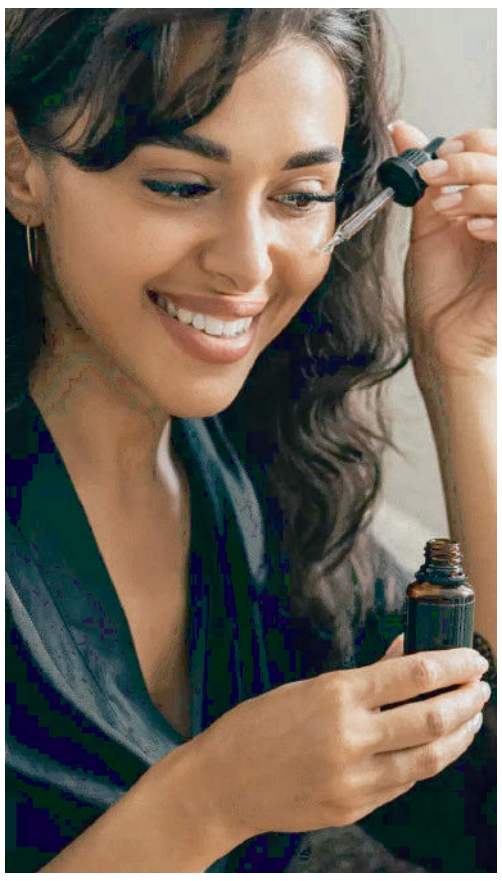

हर उम्र की महिलाओं का यह सपना होता है कि वह हमेशा खूबसूरत और फिट दिखे. लेकिन उम्र के लक्षण को हम रोक नहीं सकते क्योंकि ये एक नेचुरल प्रोसेस है. हालांकि अगर महिला होने के नाते अगर आप अपनी सेहत पर शुरुआती दिनों से ही ध्यान दें और अपना सही तरीके से देखभाल करें तो उम्र से पहले आप एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं. यही नहीं, अगर आप 30 की उम्र से ही अपने स्किन को लेकर सचेत रहें तो यह रिंकल और फाइनलाइन की समस्या को दूर कर सकता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह नेचुरल तरीके से उम्र के असर की रफ्तार को कम कर सकते हैं.

30 की उम्र के बाद इन बातों का रखें ख्याल

पानी खूब पियें

फिटडे के मुताबिक, पानी की कमी होने पर शरीर में मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है, शरीर में पानी की कमी होने लगती है और यह स्किन की फ्लेक्सिबिलिटी को प्रभावित करती है. इसलिए अपने पानी के इंटेक पर नजर रखें और भरपूर पानी पियें.

वर्कआउट करें

अगर आप 30 की उम्र के बाद भी रेग्युलर वर्कआउट करें, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें तो यह आपके आपके मसल्स को कमजोर नहीं होने देते और चेहरे व शरीर पर यूथनेस बना रहता है.

धूप से बचें

ब्रायन मावर डर्मोटोलॉजी के मुताबिक, अर्ली एजिंग का सबसे बड़ा कारण यूवी करिणें. ऐसे में रोज एसपीएफ 30 सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें और सनग्लास का प्रयोग करें.

अल्कोहल स्मोकिंग से बचें

ये दोनों ही आदतें स्किन पर रिंकल की वजह होती हैं. यह स्किन कैंसर का कारण भी बन सकता है. ऐसे में जहां तक हो अल्कोहल और स्मोकिंग से खुद को दूर रखें.

भरपूर सोएं

30 की उम्र के बाद भरपूर सोना काफी जरूरी होता है. आप कम से कम 8 घंटे की नींद रात में जरूर पूरा करें. इसके अलावा सोने और जागते समय स्किन केयर का ध्यान रखें.

हेल्दी डाइट जरूरी

स्किन को परफेक्ट रखने के लिए आप हेल्दी डाइट का सेवन करें. इसके लिए भरपूर फल, सब्जियां, अनाज आदि खाने में शामिल करें.

इस तरह आप लंबी उम्र तक खुद को फिट रख सकेंगी और हेल्दी रहने की वजह से आपकी स्किन और बालों की समस्या भी दूर रहेगी.

आप भी बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट, महिलाएं इन 5 चीजों पर करें फोकस, इन तरीकों से बढ़ाएं पहला कदम

कई बार महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बन पाना आसान नहीं होता है. लेकिन अगर आप इंडिपेंडेंट वुमेन होने की ख्वाहिश रखती हैं. तो डिसीजन मेकिंग स्किल्स, फाइनेंशियल प्लानिंग और आत्मविश्वास जैसी चीजों पर फोकस करके आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ा सकती हैं.

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का रास्ता कई बार काफी मुश्किल होता है. ऐसे में इंडिपेंडेंट बनने के लिए ज्यादातर महिलाओं को काफी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि आत्मनिर्भर बनने के लिए किन बातों पर फोकस करना जरूरी होता है.

कई बार चाहकर भी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत सी महिलाओं के लिए इंडिपेंडेंट होना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में अगर आप कुछ चीजों पर फोकस करते हुए आगे कदम बढ़ाती हैं, तो आत्मनिर्भर बनने का आपका रास्ता आसान हो सकता है. तो आइये जानते हैं इसके बारे में.

सेल्फ कॉन्फिडेंस होना है जरूरी

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका आत्मविश्वासी होना बहुत जरूरी है. इंडिपेंडेंट बनने के लिए ये आपका पहला कदम हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि सेल्फ कॉन्फीडेंस को बूस्ट करने की कोशिश करें. साथ ही प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के डिसीजन आप खुद पूरे विश्वास के साथ लेने का प्रयास करें. इतना ही नहीं अगर कोई फैसला गलत भी होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसी और पर न डालकर आप खुद ही लें.

फैसले लेना सीखें

ज्यादातर घरों में महिलाएं हर छोटा-बड़ा फैसला घर में किसी न किसी से पूछ कर ही लेती हैं. ऐसे में उनको फैमली मेम्बर्स या पार्टनर पर निर्भर रहने की आदत हो जाती है. लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि आप खुद में डिसीजन मेकिंग स्किल को डेवलप करने की कोशिश करें. जिससे आप जरूरत पड़ने पर खुद फैसला लेने में सक्षम रहें.

भावनात्मक रूप से मजबूत बनें

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका भावनात्मक रूप से मजबूत बनना भी बहुत जरूरी है. इसलिए अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह अपनी केयर खुद करना सीखें. इस तरह से आप किसी पर इमोशनली डिपेंडेंट नहीं रहेंगी और खुद को मेंटली और इमोशनली स्ट्रांग रखने में कामयाब हो सकेंगी.

फाइनेंस मैनेज करना सीखें

बहुत सी महिलाएं जॉब करने के बाद भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए दूसरों पर ही डिपेंडेंट रहती हैं. वहीं ज्यादातर महिलाएं फाइनेंस से जुड़े डिसीजन बिना किसी की इजाजत के लेने में हिचकिचाने लगती हैं. जबकि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि अपने बजट से लेकर इंवेस्टमेंट तक का हिसाब आप खुद रखें. इसलिए इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग खुद करना सीखें.

आप के राघव चड्ढा, थाम सकते हैं बीजेपी का कमल

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीजेपी में जाने की बात खासी चर्चा में है। सूत्रों का दावा है कि आप के तेजतर्रार नेता राघव चड्ढा जल्द ही बीजेपी को जॉइन कर सकते है। सूत्रों के मुताबिक वह भाजपा के कई नेताओ के संपर्क में है। सूत्र का कहना है कि आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के ईडी द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाने के बाद भी राघव चड्ढा की खामोशी बहुत कुछ बयां कर रही है।

बात सच भी है कि आम आदमी पार्टी के छोटे से लेकर बडे नेता तक दिल्ली के सीएम व पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ सडकों पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि राघव चड्ढा ने अपने नेता की गिरफ्तारी पर अब-तक एक भी बयान नहीं दिया है। और मीडिया के पर्दे से लगभग गायब है।

सूत्रों के मुताबिक इस सारे मामले की जड के पीछे की वजह में राघव चड्ढा के द्वारा परिणित चौपडा से शादी रचाना बताया जा रहा है। दरअसल परणीति चौपडा से पहले राघव चड्ढा की शादी केजरीवाल की बेटी से होने की चर्चा खासी गर्म थी। लेकिन अचानक प्रियंका चौपडा की बहन वालीवुड अभिनेत्री परणीति चौपडा से शादी किए जाने के बाद से अरविंद केजरीवाल और राघव चड्ढा के बीच खट्टास बढ गई है। और अब वह इसलिए बीजेपी में अपनी जमीन तलाश रहे हैं।

केजरीवाल के हिरासत में रहते हुए कोई भी आदेश जारी करने पर लगे रोक, हाईकोर्ट में दाखिल हुई याचिका

याचिकाकर्ता ने कोर्ट से ये भी अपील की है कि ईडी को शिकायत दर्ज करने, जांच करने और अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने का निर्देश दिया जाए कि पुलिस हिरासत में उनके द्वारा जारी किए गए आदेश दिल्ली की मंत्री आतिशी के पास कैसे पहुंचे।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है जिसमें सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी की हिरासत में रहने के दौरान कोई भी आदेश जारी करने से रोकने के लिए कोर्ट से अनुरोध किया गया है। साथ ही जनहित याचिका में टाइपिस्ट, कंप्यूटर प्रिंटर तमाम चीजें उपलब्ध नहीं कराने का भी अनुरोध किया गया है। वहीं याचिकाकर्ता ने कोर्ट से ये भी अपील की है कि ईडी को शिकायत दर्ज करने, जांच करने और अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने का निर्देश दिया जाए कि पुलिस हिरासत में उनके द्वारा जारी किए गए आदेश दिल्ली की मंत्री आतिशी के पास कैसे पहुंचे।

याचिकाकर्ता सुरजीत सिंह यादव ने अधिवक्ता शशि रंजन कुमार सिंह और महेश कुमार के माध्यम से आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल हिरासत में निर्देश और आदेश जारी करते समय भारत के संविधान की तीसरी अनुसूची के तहत उन्हें दी गई गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं। बता दें कि उसी याचिकाकर्ता ने हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय में एक और जनहित याचिका दायर की, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री पद से हटाने की प्रार्थना की गई।

याचिका में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद, दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने 21 मार्च, 2024 को कई चैनलों को साक्षात्कार देते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे और जरूरत पड़ने पर चुनाव लड़ेंगे। याचिका में कहा गया है कि केजरीवाल के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने से कानूनी प्रक्रिया में बाधा आएगी जिससे राज्य में संवैधानिक तंत्र टूट सकता है।

होली पर पांच हत्याओं से दहली दिल्ली, शराब पीकर हुड़दंग करने से भी बाज नहीं आए लोग, खूब कटे चालान

होली पर दिल्ली पुलिस द्वारा राजधानी में सुरक्षा के लाख बंदोबस्त के बावजूद सोमवार को लोग शराब पीकर वाहन चलाने से बाज नहीं आए। इस बार शराब पीकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर यातायात पुलिस ने 824 वाहन चालकों के चालान काटे जो पिछले कई साल की तुलना में अधिक है। पिछले साल होली वाले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 559 लोगों के चालान काटे गए थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। होली पर दिल्ली पुलिस द्वारा राजधानी में सुरक्षा के लाख बंदोबस्त के बावजूद सोमवार को लोग शराब पीकर वाहन चलाने से बाज नहीं आए। इस बार शराब पीकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर यातायात पुलिस ने 824 वाहन चालकों के चालान काटे, जो पिछले कई साल की तुलना में अधिक है।

पिछले साल आठ मार्च को होली वाले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 559 लोगों के चालान काटे गए थे। पिछले साल होली वाले दिन सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई थी। इस बार हादसे में किसी की जान नहीं गई।

सड़क हादसों में हुए घायल, पांच हत्याएं हुई

शराब पीकर तेज रफ्तार में वाहन चलाने पर अलग-अलग जगहों पर सड़क दुर्घनाओं में 25 से अधिक लोग धायल जरूर हुए, जिन्हें अलग-

अलग अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती करा दिया है। उनमें सभी की हालत खतरे से बाहर है।

पुलिस का कहना है कि इस बार होली वाले दिन जिन पांच अलग-अलग जगहों पर दो युवती समेत पांच लोगों की हत्या कर दी गई।

दिल्ली पुलिस ने की थी सुरक्षा

होली के दिन राजधानी की सड़कों पर लोग हुड़दंग न करें इसके लिए दिल्ली यातायात पुलिस ने सोमवार को इस बार भी स्थानीय थाना पुलिस व पीसीआर के साथ मिलकर पूरी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। इस बार सड़क हादसे में किसी की जान नहीं गई।

क्या दिल्ली में मुफ्त बिजली-पानी और पेंशन योजनाएं होंगी बंद? सरकार ने स्वयं दी ये जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार के योजना विभाग की ओर से जारी की गई एक सूचना के अनुसार, किसी व्यक्ति (मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल) के जेल जाने से किसी योजना पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सभी योजनाएं पहले की भांति लाभार्थियों को पहुंचाई जाएंगी...

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने राजधानी के लोगों को कई मुफ्त की योजनाएं दे रखी हैं। इसमें 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी और महिलाओं के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त बस यात्रा शामिल है। लेकिन लोगों के बीच एक संदेश भेजा जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल के शराब घोटाले में जेल जाने के बाद अब ये योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। यानी अब लोगों को मुफ्त बिजली, पानी और मुफ्त बस यात्रा का लाभ नहीं मिलेगा।

क्या है सच्चाई?

यदि ऐसा होता है, तो इससे एक झटके में लाखों लोगों को भारी नुकसान होगा। व्हाट्सअप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर आ रही इन खबरों की सच्चाई क्या है? दिल्ली सरकार ने बताया है कि इनमें कोई सत्यता नहीं है। इस तरह के संदेश कुछ गलत इरादों को रखकर फैलाए जा रहे हैं। सरकार ने एक संदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि दिल्ली सरकार की सभी योजनाएं पहले की भांति चलती रहेंगी।

दिल्ली सरकार के योजना विभाग की ओर से जारी की गई एक सूचना के अनुसार, किसी व्यक्ति (मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल) के जेल जाने से किसी योजना पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सभी योजनाएं पहले की भांति लाभार्थियों को पहुंचाई जाएंगी। इस समय सरकार के सभी प्रतिनिधि इस बात को सुनिश्चित कराने में जुटे हैं कि कोई भी योजना रुकने न पाए।

सरकार बदली तो क्या होगा?

अभी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा न देने पर अड़े हुए हैं। आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि संविधान का कोई नियम उन्हें जेल से सरकार चलाने से नहीं रोकता है, लिहाजा अरविंद केजरीवाल जेल में रहकर भी सरकार चलाते रहेंगे।

लेकिन कई जानकारों का कहना है कि देर-सबेर अरविंद केजरीवाल को अपने पद से इस्तीफा देना ही पड़ेगा। वे चाहें तो अपनी पार्टी के किसी नेता आतिशी मार्लेना या सौरभ भारद्वाज या अन्य को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। वे चाहें तो अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को भी मुख्यमंत्री बना सकते हैं। हालांकि, इसके लिए सुनीता केजरीवाल को अगले छह महीने के अंदर दिल्ली की किसी विधानसभा से चुनाव जीतकर विधानसभा का सदस्य बनना पड़ेगा।

ऊपर की इन परिस्थितियों में सरकार की कमान आम आदमी पार्टी के ही नेताओं के पास रहेगी, लिहाजा वे अपनी लोकप्रिय योजनाओं को जारी रखने की कोशिश कर सकते हैं। यानी आम आदमी पार्टी नेताओं के हाथ में शासन रहने पर कोई योजना बंद होने की कोई संभावना नहीं है।

राष्ट्रपति शासन लगा तो क्या होगा?

एक बात यह भी कही जा रही है कि जिस तरह अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा न देने पर अड़े हुए हैं, उससे उपराज्यपाल वीके सक्सेना को राज्य में कानून-व्यवस्था और प्रशासन के फेल होने का आधार बनाकर दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की संस्तुति करने का अवसर मिल जाएगा। इस

स्थिति में दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लग सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक राकेश कुमार के अनुसार, ऐसा होने पर भी दिल्ली सरकार की कोई योजना रुकने की कोई संभावना नहीं है। इसका बड़ा कारण यही है कि अगले साल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि ऐसी स्थिति में दिल्ली की किसी योजना को बंद किया जाता है, तो इससे आम आदमी पार्टी को यह कहने का अवसर मिल जाएगा कि केंद्र सरकार के हाथों में सत्ता आते ही भाजपा ने सभी लोकप्रिय योजनाओं को रुकवा दिया। इससे भाजपा को राजनीतिक नुकसान हो सकता है। लिहाजा यदि दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की स्थिति बनती भी है, तो भी इस बात की संभावना कम ही है कि मुफ्त की योजनाओं को बंद किया जाए।

भाजपा भी कर चुकी है ऐसा वादा

राकेश कुमार के अनुसार, चूंकि पिछले दिल्ली विधानसभा के चुनावों के दौरान भाजपा ने आम आदमी पार्टी से ज्यादा लोकप्रिय मुफ्त वाली आकर्षक योजनाएं जनता के लिए पेश की थीं। यानी उसने स्वयं यह वादा किया था कि यदि वह सत्ता में आती है तो लोगों को मुफ्त बिजली, पानी और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

इससे एक बात स्पष्ट होता है कि भाजपा को भी इस बात का ज्ञान है कि यदि दिल्ली में मुफ्त की योजनाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है, तो उसे इसका नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि यदि अगले चुनाव में भाजपा भी सत्ता में आ जाती है तो भी इस बात की कोई संभावना नहीं है कि वह मुफ्त की योजनाओं पर प्रतिबंध लगाएगी। यानी बाद की स्थिति में चाहे जो हो, लेकिन फिलहाल अभी नजदीकी समय में मुफ्त की योजनाओं के जारी रहने पर कोई संकट नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में हत्या करके 14 साल से फरार था जेल अधीक्षक का बेटा, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

जम्मू-कश्मीर में हुई हत्या के मामले में 14 साल से फरार आरोपित इंद्रप्रीत सिंह को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। इंद्रप्रीत सिंह एक पूर्व जेल अधीक्षक का बेटा है। प्रॉपर्टी विवाद में उसने 14 साल पहले सात लोगों के साथ मिलकर मदन लाल नाम के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हुई हत्या के मामले में 14 साल से फरार आरोपित इंद्रप्रीत सिंह को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। इंद्रप्रीत सिंह एक पूर्व जेल अधीक्षक का बेटा है। प्रॉपर्टी विवाद में उसने 14 साल पहले सात लोगों के साथ मिलकर मदन लाल नाम के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी।

हत्या को आरोपितों ने सड़क हादसा का रूप देने की कोशिश की थी। इससे शुरू में जम्मू-कश्मीर के संबंधित थाना पुलिस ने सड़क दुर्घटना की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। बाद में स्वजन के आरोप पर एसआईटी ने जांच कराने पर मामला हत्या का निकलने पर मुकदमे में हत्या, सुबूत मटाने व आपराधिक साजिश की धाराएं लगा दी गई थी।

पहले चार आरोपियों को मिल चुकी है सजा

इस मामले में स्थानीय पुलिस पहले चार आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था, जिन्हें अदालत से उम्रकैद की सजा मिल चुकी है। पांचवें व मुख्य साजिशकर्ता इंद्रप्रीत सिंह को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंप दिया। एक आरोपित की मृत्यु हो चुकी है। जबकि एक अन्य आरोपित अभी भी फरार है।

म्यांमार दूतावास में सर्व धर्म होली मिलन का आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : म्यांमार दूतावास ने इंडो म्यांमार मैत्री मंच और ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया (GTTCI) के साथ मिलकर एक असाधारण अंतरधार्मिक (सर्व धर्म) होली मिलन कार्यक्रम मनाया। म्यांमार दूतावास में आयोजित इस जीवंत समारोह में विभिन्न धर्मों के लोग एकता और सद्भाव की भावना से आनंद लेने के लिए एकत्रित हुए।

इस कार्यक्रम में पारंपरिक होली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन और उपस्थित लोगों के बीच दिल को छू लेने वाले आदान-प्रदान सहित कई हर्षोल्लासपूर्ण समारोह हुए। विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, राजदूत और राजनयिक होली के सार को अपनाने और आपसी सम्मान और समझ को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए।

म्यांमार दूतावास के राजदूत श्री मो क्यॉ आंग ने भारी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और अंतरधार्मिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए इंडो म्यांमार मैत्री मंच और GTTCI के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय सर्व धर्म संसद के अंतरधार्मिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गोस्वामी सुशील महाराज ने किया और सिख, ईसाई, जैन, तिब्बत, मुस्लिम, रविदासिया समाज के प्रतिनिधि इस भव्य कार्यक्रम का हिस्सा थे। राजदूत ने उनका स्वागत फूल मालाओं, पंखुड़ियों और चंदन टीका से किया।

विभिन्न समुदायों से आए लोग विविधता के समृद्ध ताने-बाने को दर्शाते हैं जो भारत और म्यांमार दोनों की विशेषता है। इस समावेशी उत्सव के माध्यम से, प्रतिभागियों ने सीमाओं और विश्वासों के पार मित्रता और सहयोग के पुल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

म्यांमार दूतावास में अंतरधार्मिक होली मिलन कार्यक्रम विविधता में एकता की शक्ति का एक शानदार उदाहरण था, जिसने भाग लेने वाले सभी लोगों के बीच आशा और एकजुटता को प्रेरित किया।

20 लाख के सिक्के बाजार में चल चुके: दिल्ली में नकली सिक्के बनाने की फैक्टरी का भंडाफोड़, यूट्यूब पर सिखा बनाना

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : म्यांमार दूतावास ने इंडो म्यांमार मैत्री मंच और ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया (GTTCI) के साथ मिलकर एक असाधारण अंतरधार्मिक (सर्व धर्म) होली मिलन कार्यक्रम मनाया। म्यांमार दूतावास में आयोजित इस जीवंत समारोह में विभिन्न धर्मों के लोग एकता और सद्भाव की भावना से आनंद लेने के लिए एकत्रित हुए।

इस कार्यक्रम में पारंपरिक होली उत्सव, सांस्कृतिक प्रदर्शन और उपस्थित लोगों के बीच दिल को छू लेने वाले आदान-प्रदान सहित कई हर्षोल्लासपूर्ण समारोह हुए। विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति, राजदूत और राजनयिक होली के सार को अपनाने और आपसी सम्मान और समझ को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए।

म्यांमार दूतावास के राजदूत श्री मो क्यॉ आंग ने भारी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और अंतरधार्मिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए इंडो म्यांमार मैत्री मंच और GTTCI के प्रति आभार व्यक्त किया।

म्यांमार दूतावास के राजदूत श्री मो क्यॉ आंग ने भारी भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और अंतरधार्मिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए इंडो म्यांमार मैत्री मंच और GTTCI के प्रति आभार व्यक्त किया।

नकली सिक्कों की सिर्फ दो पहचान...

भारतीय सर्व धर्म संसद के अंतरधार्मिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गोस्वामी सुशील महाराज ने किया और सिख, ईसाई, जैन, तिब्बत, मुस्लिम, रविदासिया समाज के प्रतिनिधि इस भव्य कार्यक्रम का हिस्सा थे। राजदूत ने उनका स्वागत फूल मालाओं, पंखुड़ियों और चंदन टीका से किया।

विभिन्न समुदायों से आए लोग विविधता के समृद्ध ताने-बाने को दर्शाते हैं जो भारत और म्यांमार दोनों की विशेषता है। इस समावेशी उत्सव के माध्यम से, प्रतिभागियों ने सीमाओं और विश्वासों के पार मित्रता और सहयोग के पुल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

म्यांमार दूतावास में अंतरधार्मिक होली मिलन कार्यक्रम विविधता में एकता की शक्ति का एक शानदार उदाहरण था, जिसने भाग लेने वाले सभी लोगों के बीच आशा और एकजुटता को प्रेरित किया।

बीआरएस नेता के. कविता की गईं तिहाड़ जेल शिफ्ट, 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम के कविता को हैदराबाद से दिल्ली लेकर आई, जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। ईडी का दावा है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची।

दिल्ली की आबकारी नीति मामले में अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बीआरएस नेता के कविता को तिहाड़ जेल भेजा गया है। के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था।

नई दिल्ली। दिल्ली की आबकारी नीति मामले में अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बीआरएस नेता के कविता को तिहाड़ जेल भेजा गया है। के, कविता को नौ अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बता दें कि के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम के कविता को हैदराबाद से दिल्ली लेकर आई, जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। ईडी का दावा है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची। जिसके तहत दिल्ली शराब नीति में फायदा पाने के लिए आप नेताओं को करीब 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। के. कविता को कथित दक्षिण लॉबी का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी अब तक देशभर में 245 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है और मनीष सिसोदिया, संजय सिन्हा और विजय नायर समेत 15 लोगों को

होली खेलते समय सीने में हुआ दर्द, बुजुर्ग की मौत

गाजियाबाद में घर में होली खेलते समय 71 वर्षीय रविंद्र के सीने में दर्द हुआ। इसके बाद आनन-फानन में उसे जिला एमएसजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि जांच के बाद चिकित्सा ने मृत घोषित कर दिया। उनके मुताबिक हार्ट अटैक से मौत हुई है। स्वजन ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले जाने की इच्छा जाहिर की।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में घर में होली खेलते समय 71 वर्षीय रविंद्र के सीने में दर्द हुआ। इसके बाद आनन-फानन में उसे जिला एमएसजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। इस संबंध में कार्यवाहक सीएमएस डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि जांच के बाद चिकित्सा ने मृत घोषित कर दिया। उनके मुताबिक हार्ट अटैक से मौत हुई है। सीएमएस का कहना है कि स्वजन ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले जाने की इच्छा जाहिर की और शव को सौंप दिया गया।

होली पर युवक को पड़ोसी ने चाकू मारा

उधर, गाजियाबाद के सुदामापुरी में होली पर पड़ोसी ने युवक के चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना शाम करीब तीन बजे की है। युवक के पड़ोस में तेज आवाज में संगीत बज रहा था। इसी बीच सुदामापुरी निवासी सुनील घहर से बाहर निकले। उनके पड़ोस में रहने वाले नीलेश ने गाली देना शुरू कर दिया। उन्होंने विरोध किया तो आरोपित ने चाकू मारकर घायल कर दिया।

नशे में धुत्त महिला ने गार्ड का कॉलर पकड़कर की अभद्रता, कहा- मेरा ब्वॉयफ्रेंड पैसा देता है न तेरेको

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला सुरक्षाकर्मी के साथ अभद्रता करती नजर आ रही है। महिला के व्यवहार को देखकर ऐसा लग रहा है कि उसने शराब पी हुई है। वीडियो किसी सोसाइटी का बताया जा रहा है। महिला गार्ड पर उसकी जासूसी करने का आरोप लगा रही है। महिला गार्ड से कहती है पैसे देता है न तेरेको डेली।

नोएडा। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला सुरक्षाकर्मी के साथ अभद्रता करती नजर आ रही है। महिला के व्यवहार को देखकर ऐसा लग रहा है कि उसने शराब पी हुई है। वीडियो किसी सोसाइटी का बताया जा रहा है। महिला गार्ड पर उसकी जासूसी करने का आरोप लगा रही है।

वायरल हो रहे वीडियो के अनुसार, महिला गार्ड से कहती है, 'पैसा देता है न तेरेको, पैसे देता है न तेरेको डेली।' सुरक्षा कर्मी कहता दिख रहा है कि मुझे कोई भी रुपया नहीं देता है। महिला का आरोप है कि गार्ड उसके ब्वॉयफ्रेंड के कहने पर उस पर नजर रखता है, जिसके बदले उसे पैसे मिलते हैं। वीडियो में महिला सुरक्षीकर्मी का कॉलर पकड़ती दिखाई दे रही है। वीडियो में एक युवती भी नजर आ रही है, जो महिला को सुरक्षाकर्मी से अभद्रता करने से रोक रही है वह उससे कहती है कि, दीक्षा रहने दे। इससे लग रहा है कि महिला का नाम दीक्षा है।

होली पर नोएडा पुलिस ने हुड़दंगियों पर कसी नकेल, एक दिन में काटे 12 हजार से ज्यादा चालान

होली पर सबसे ज्यादा चालान दोपहिया वाहन पर हेलमेट नहीं लगाने के कारण किए गए। ट्रैफिक पुलिस की टीम ने शहर के सभी मुख्य सड़कों बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पूरे दिन चेकिंग की। महिला सुरक्षा को देखते हुए भी बाजारों में महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहीं। संवेदनशील जगह पर मार्शल टीमें पूरे दिन गश्त करती रहीं।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। होली पर सोमवार को यातायात पुलिस सड़क पर सक्रिय रही। 44 स्थानों पर बैरिकेड लगाकर चेकिंग की गई। पुलिस ने 12284 हजार से अधिक वाहनों के चालान किए।

सबसे ज्यादा चालान दोपहिया वाहन पर हेलमेट नहीं लगाने के कारण किए गए। बड़ी संख्या में लोग होली पर हेलमेट नहीं लगाते हैं। यही कारण है पुलिस ने इनका चालान किया। यातायात नियमों का पालन जरूरी है। यह वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

18 वाहनों को किया गया सीज

900 से अधिक चालान दोपहिया वाहन के चालान तीन सवारी बैठाने के कारण किए 67 चालान नशे में वाहन चलाने के कारण किए गए हैं। 18 वाहनों को सीज किया गया है। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव, एसीपी ट्रैफिक राजीव कुमार गुप्ता ने खुद सड़क पर उतर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

सेक्टर-94 स्थित इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिये शहर के मुख्य बाजारों और भीड़ वाले स्थानों पर नजर रखी गई। प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस तैनाती रही। हुड़दंग करने वालों पर ट्रैफिक पुलिस ने जहां कार्रवाई की वहीं शांति पूर्ण तरीके से होली मनाने वाले लोगों की प्रशंसा ट्रैफिक पुलिस ने की।

ट्रैफिक पुलिस की टीम ने शहर के सभी मुख्य सड़कों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पूरे दिन चेकिंग की। महिला सुरक्षा को देखते हुए भी बाजारों में महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहीं।

संवेदनशील जगह पर मार्शल टीमें पूरे दिन गश्त करती रहीं।

67 चालकों को शराब पीकर वाहन चलाते पकड़ा

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने बताया कि 44 स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वाले 67 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर 8110, बिना सीट बेल्ट के कार चलाने पर 372, दोपहिया पर तीन सवारी के 906, मोबाइल फोन का प्रयोग कर वाहन चलाने पर 82, नो-पार्किंग के 402 चालान हुए हैं।

इसके अलावा विपरीत दिशा के 633, ध्वनि प्रदूषण के 79, वायु प्रदूषण के 32, दोष पूर्ण नंबर प्लेट के 337, रेड लाइट उल्लंघन के 441, बिना डीएल के 172, ओवर स्पीड के 306 व अन्य मद में 412 सहित 12284 कुल चालान किए गए। 18 वाहनों को सीज किया गया है।

पड़ोसी ने पिलाया पानी तो घर में घुसकर की मारपीट, परिवार के सदस्यों को लाठी-डंडों से पीटा

पानी पीने वाले पड़ोसी के बेटों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पानी पिलाने वाले समेत उनके परिवार के सदस्यों के साथ घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके साथ ही जाते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में सेक्टर-40 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

गुरुग्राम। गांव कन्हई में सोमवार को दोपहर को पड़ोसी को पानी पिलाना एक युवक और उसके परिवार को भारी पड़ गया। पानी पीने वाले पड़ोसी के बेटों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पानी पिलाने वाले समेत उनके परिवार के सदस्यों के साथ घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके साथ ही जाते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।

सेक्टर-40 थाना पुलिस ने दर्ज किया मामला

पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-40 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कन्हई निवासी अमित ने पुलिस को बताया कि सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपने घर पर था। उसी समय पड़ोस में रहने वाले सूबे सिंह ने आवाज देकर पानी पिलाने के लिए कहने लगा। उन्होंने अपने घर से पानी लाकर दे दिया। थोड़ी ही देर बाद सूबे सिंह के बच्चे विक्की और अविनाश उन्हें गाली देते हुए कहने लगे कि पिता को पानी क्यों दिया। इसके बाद अमित, सुमित भी मौके पर आ गए। उनका आरोप है कि चारों ने मिलकर उनके घर का ताला तोड़कर उनके भाई संजीव और परिवार के सदस्यों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। जाते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।

होली पर सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, सिहानी गेट थाने में केस दर्ज

गाजियाबाद में होली के दिन सुबह सैर के लिए निकले व्यक्ति को पुराने बस अड्डे के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल को पीआरवी ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अन्य सड़क हादसे में बागू निवासी 22 वर्षीय पप्पू की सड़क हादसे में मौत हो गई।

गाजियाबाद। होली पर सुबह सैर के लिए निकले व्यक्ति को पुराने बस अड्डे के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल को पीआरवी ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अन्य सड़क हादसे में बागू निवासी 22 वर्षीय पप्पू की सड़क हादसे में मौत हो गई। मालीवाड़ा निवासी हिमांशु के पिता 46 वर्षीय नीरज कुमार शर्मा सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे घर से सैर के लिए निकले थे। पुराने बस अड्डे चौराहे के पास किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गए। हिमांशु की शिकायत पर सिहानी गेट थाने में केस दर्ज किया गया है। जनपद में होली पर हुए हादसों में बहरामपुर निवासी 51 वर्षीय ननकू घायल हो गए।

उल्लघंन पर जुर्माना: सरकार ने 23 नस्ल के कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर लगाई रोक, जिनके पास है वो कराएं नसबंदी

आदेश के अनुसार क्रॉसब्रीड सहित इन सभी नस्लों के कुत्तों के आयात, प्रजनन, पालतू कुत्तों के रूप में बेचने और अन्य उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग बिक्री के लिए कोई लाइसेंस या परमिट जारी नहीं करेगा।

नई दिल्ली। अगर आप खूंखार नस्ल का कुत्ता पालने का शौक रखते हैं तो जरा सावधान हो जाइए। कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने रोक लगाने का सुझाव दिया है। हालाकि, जिनके पास पहले से इन नस्लों के कुत्ते हैं उन्हें तत्काल उनकी नसबंदी करानी होगी। नियमों का पालन नहीं करने पर नगर निगम पांच हजार रुपये जुर्माना लगाएगा। दोबारा जांच में नसबंदी प्रमाण पत्र नहीं दिखाया तो फिर से इतना ही जुर्माना लगेगा। एक अप्रैल से निगम का पशु चिकित्सा विभाग कार्रवाई शुरू कर देगा।

पालतू कुत्तों के हमलों से हो रही मौतों के बीच केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने खूंखार कुत्तों की 23 नस्लों की बिक्री और प्रजनन पर रोक लगा दी है। इस संबंध में 12 मार्च को ही राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र जारी किया जा चुका है। अब नए नियमों के तहत कार्रवाई करने की तैयारी नगर निगम ने शुरू कर दी है।

निगम अधिकारियों ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र में पहले से ही तीन नस्लों के कुत्तों के पंजीकरण पर रोक है, जिनमें पिटबुल, रॉटविलर और डोगो अर्जेंटीनो नस्ल शामिल हैं। अब 20 अन्य नस्लों के कुत्तों को प्रतिबंधित श्रेणी में शामिल किया गया है।

आदेश के अनुसार क्रॉसब्रीड सहित इन सभी नस्लों के कुत्तों के आयात, प्रजनन, पालतू कुत्तों के रूप में बेचने और अन्य उद्देश्यों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग बिक्री के लिए कोई लाइसेंस या परमिट जारी नहीं करेगा। स्थानीय निकाय, पशुपालन विभाग गाजियाबाद नगर निगम ने एक अप्रैल कार्रवाई की तैयारी कर ली है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित नस्लों के कुत्तों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। जो पहले से पंजीकृत हैं उनके मालिकों को तत्काल अपने पालतू कुत्तों की नसबंदी करानी होगी। निगम की टीम जांच के दौरान नसंबदी का प्रमाणपत्र मांगेगी, नहीं दिखाने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

इन नस्लों पर प्रतिबंध

यह प्रतिबंध मिक्सड और क्रॉस सभी नस्लों पर लागू करने को कहा है। इन ब्रीड में पिटबुल, रॉटविलर, टोसा इनु, अमेरिकन स्टैफोर्डशायर टेरियर, फिला ब्राजालेरियो, डोगो अर्जेंटीनो, अमेरिकन बुलडॉग, बोएरबोएल, कैंगल, सेंट्रल एशियाई शेफर्ड डॉग, कोकेशियान शेफर्ड डॉग, सप्लॉनिनैक, जापानी टोसा, अकिता, मास्टिफ्स, इओटवीलर, कैनेरियो, रोडेशियन रिजबैक, अक्बाश, वोल्फ डॉग, मॉस्को गॉर्ड, केन कोर्सो और टॉर्नजैक शामिल हैं।

श्री अयोध्या धाम में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर ने भारतीय समाज को एक किया है

प्रह्लाद सबनानी

श्री अयोध्या धाम में नव निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर ने न केवल भारतीय समाज को एक किया है बल्कि इससे भारत की आर्थिक प्रगति में चार चांद लग रहे हैं। देश में धार्मिक पर्यटन की जैसे बाढ़ ही आ गई है।

22 जनवरी 2024 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा क्योंकि इस दिन श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के विग्रहों की एक भव्य मंदिर में समारोह पूर्वक प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पूरे देश से धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के शीर्ष नेतृत्व तथा समस्त मत, पंथ, सम्प्रदाय के पूजनीय संत महात्माओं की गरिमामय उपस्थिति रही थी। इससे निश्चित ही यह आभास हुआ है कि प्रभु श्रीराम मंदिर ने भारत में समस्त समाज को एक कर दिया है। यह भारत के पुनरुत्थान के गौरवशाली अध्याय के प्रारम्भ का संकेत माना जा सकता है।

सामान्यतः किसी भी भवन का ढांचा नीचे से ऊपर की ओर जाता दिखाई देता है परंतु प्रभु श्रीराम मंदिर के बारे में यह कहा जा रहा है कि प्रभु श्रीराम का यह मंदिर जैसे ऊपर से बनकर आया है और पृथ्वी पर स्थापित कर दिया गया है। इस भव्य मंदिर को त्रिभुवन का मंदिर भी कहा जा रहा है। तमिलनाडु के एक बड़े अधिकारी, जो कला के जानकार हैं, का तो यह भी कहना है कि इस प्रकार की नक्काशी से सज्जित मंदिर शायद पिछले 1000 वर्षों में तो बनता हुआ नहीं दिखाई दिया है। इस मंदिर में प्रभु श्रीराम के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के समय लगभग समस्त समाज के लोग पूजा सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बिठाए गए थे। पूजा सम्पन्न कराने के लिए माननीय पंडितों को देश के लगभग समस्त राज्यों से लाया गया था। देश में लगभग 150 संत महात्माओं की परम्पराएं हैं जैसे गुरु परम्परा, दार्शनिक परम्परा आदि। ऐसी समस्त परम्पराओं के संत महात्माओं की भागीदारी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रही। साथ ही, सामाजिक जीवन के कई क्षेत्रों के प्रमुख नागरिकों की भी इस समारोह में भागीदारी रही, जैसे खेल, साहित्य, लेख, कला, मीडिया, प्रशासन, आदि। कुल 18 श्रेणियों के नागरिकों को इस समारोह में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया था। जिन लगभग 4000 श्रमिकों ने इस मंदिर के निर्माण में अपना योगदान दिया था उनमें से 600 श्रमिकों, इंजीनीयरों एवं सुपर्वायजर आदि की भी इस कार्यक्रम में भागीदारी करवाई गई। 22 जनवरी 2024 के पवित्र दिन श्रीअयोध्या धाम के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 60 चार्टर हवाई जहाज आए थे। कुल मिलाकर व्यवस्थाएं इतनी अच्छी थीं कि किसी भी नागरिक को श्री अयोध्या धाम में प्रवेश करने में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हुई थी। मंदिर परिसर में भी समस्त नागरिकों को अपनत्व लगा था। ऐसा लगा कि स्वर्ग में पहुंच गए हैं एवं मंदिर परिसर में दैवीय अनुभूति हुई। आज भारत एवं अन्य देशों से लगभग 2 लाख श्रद्धालु प्रभु श्रीरामलला के दर्शन हेतु श्री अयोध्या धाम प्रतिदिन पहुंच रहे हैं।

दिनांक 15 से 17 मार्च 2024 को नागपुर में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण पर एक प्रस्ताव पास किया गया है। इस प्रस्ताव में यह कहा गया है कि भारत में सम्पूर्ण समाज हिंदुत्व के भाव से ओतप्रोत होकर अपने "स्व" को जानने तथा उसके आधार पर जीने के लिए तत्पर हो रहा है। अब जब प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है अतः अब भारत के समस्त नागरिकों के संदर्भ में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का यह सुविचरित मत है कि सम्पूर्ण समाज अपने जीवन में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रतिष्ठित करने का संकल्प ले, इससे राम मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्देश्य सार्थक होगा। प्रभु श्रीराम के जीवन में परिलक्षित त्याग, प्रेम, न्याय, शौर्य, सद्भाव एवं निष्पक्षता आदि धर्म के शाश्वत मूल्यों को आज समाज में पुनः प्रतिष्ठित करना आवश्यक है। सभी प्रकार के परस्पर वैमनस्य और भेदों को समाप्त कर समरसता से युक्त पुरुषार्थी समाज का निर्माण करना ही प्रभु श्रीराम की वास्तविक आराधना होगी। इसी दृष्टि से, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा समस्त भारतीयों का आह्वान करती है कि बंधुत्व भाव से युक्त, कर्तव्य निष्ठ, मूल्य आधारित और सामाजिक न्याय की सुनिश्चितता करने वाले समर्थ भारत का निर्माण करें, जिसके आधार पर वह एक सर्व कल्याणकारी वैश्विक व्यवस्था का निर्माण करने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सकेगा। यदि भारतीय समाज एक होगा तो भारत को पुनः एक बार विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में आसानी होगी।

श्री अयोध्या धाम में नव निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर ने न केवल भारतीय समाज को एक किया है बल्कि इससे भारत की आर्थिक प्रगति में चार चांद लग रहे हैं। देश में धार्मिक पर्यटन की जैसे बाढ़ ही आ गई है। न केवल भारतीय नागरिक बल्कि अन्य देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोग भी प्रभु श्री राम के दर्शन करने हेतु श्री अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के लाखों नए अवसर विकसित हो रहे हैं। भारतीय समाज में एकरसता आने से भारत में मनाए जाने वाले विभिन्न त्यौहारों को भी बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जा रहा है जिससे आपस में भाईचारा बढ़ता दिखाई दे रहा है। यदि मां भारती को विश्व गुरु बनाना है तो भारत में निवास कर रहे समस्त नागरिकों में एकजुटता स्थापित करनी ही होगी। भारत में मजबूत राजनैतिक स्थिति, मजबूत लोकतंत्र, मजबूत सामाजिक स्थिति, मजबूत सांस्कृतिक धरोहर होने के चलते विश्व के अन्य देशों का भारतीय सनातन संस्कृति पर विश्वास बढ़ रहा है जिसे भारत के वैश्विक स्तर पर पुनरुत्थान के रूप में देखा जा सकता है।

> "श्री अयोध्या धाम में नव निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर ने न केवल भारतीय समाज को एक किया है बल्कि इससे भारत की आर्थिक प्रगति में चार चांद लग रहे हैं। देश में धार्मिक पर्यटन की जैसे बाढ़ ही आ गई है। न केवल भारतीय नागरिक बल्कि अन्य देशों में रह रहे भारतीय मूल के लोग भी प्रभु श्री राम के दर्शन करने हेतु श्री अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के लाखों नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक मोहन भागवत जी भी अपने एक उदबोधन में कहते हैं कि राम राज्य के सामान्य नागरिकों का जो वर्णन शास्त्रों में मिलता है, उसी का आचरण आज हमें करना चाहिए क्योंकि हम भी इस गौरवमय भारतवर्ष की संतानें हैं। आज हमें राम राज्य के समय नागरिकों द्वारा किए जाने वाले आचरण को अपनाने हेतु तप करना पड़ेगा, हमको समस्त प्रकार के कलह को विदाई देनी पड़ेगी। समाज में आपस में अलग अलग मत हो सकते हैं, छोटे छोटे विवाद हो सकते हैं, इन्हें लेकर आपस में लड़ाई करने की आदत छोड़ देनी पड़ेगी। राम राज्य के समय नागरिकों में अहंकार नहीं हुआ करता था वे बगैर अहंकार के आपस में मिलजुलकर काम करते थे। श्रीमद् भागवत में बताया गया है कि जिन चार मूल्यों की चौखट पर धर्म का निवास रहता है, वे चार मूल्य हैं - सत्य, करुणा, सुचिता और तपस। राम राज्य में इन मूल्यों का अनुपालन नागरिकों द्वारा किया जाता था।

भागवत जी आगे कहते हैं कि आज की परिस्थितियों के बीच नागरिकों द्वारा आपस में समन्वय रखकर व्यवहार करना यह धर्म का ही प्रथम पायदान है। दूसरा कदम माना जाता है धर्म का आचरण अर्थात सेवा और परोपकार करना। केंद्र सरकार एवं अन्य कई राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही कई योजनाएं गरीबों को राहत दे रही है। आज इस संदर्भ में सब कुछ हो रहा है लेकिन भारत के नागरिक होने के नाते हमारा भी तो कुछ कर्तव्य है। इस समाज में जहां दुःख दिखाई दे, पीड़ा दिखाई दे, वहां हम दौड़ कर सेवा करने पहुंचे, यह सभी हमारे अपने बंधू ही तो हैं। हमारे शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि दोनों हाथों से कमाएं जरूर, परंतु अपने लिए न्यूनतम आवश्यक राशि रखकर शेष सारा पैसा सेवा और परोपकार के माध्यम से समाज को वापिस कर दें। सुचेता पर चलना यानी पवित्रता होनी चाहिए और पवित्रता के लिए संयम होना चाहिए। लोभ नहीं करना, संयम में रहना और शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना, अपने जीवन में अनुशासित रहना, अपने कुटुंब को अनुशासन में रखना, अपने समाज में अनुशासन में रहना तथा सामाजिक जीवन में नागरिक अनुशासन का पालन करना आदि कुछ ऐसे नियम हैं जिनके अनुपालन से भारत को वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान दिलाई जा सकती है।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

फोर्ड एन्डेवर में मिलने वाले ये 10 बड़े फीचर्स फॉर्च्यूनर में हैं मिसिंग? लॉन्च होते बढ़ेंगी टोयोटा की मुश्किलें

फोर्ड एंडेवर में 360-डिग्री पार्किंग कैमरा बड़े आकार की एसयूवी के लिए एक आवश्यक सुविधा बन गया है खासकर शहर के रोजमर्रा के उपयोग में यह जरूरी है। वहीं फॉर्च्यूनर में केवल पार्किंग सेंसर के साथ रियर पार्किंग कैमरा मिलता है। अगर नई एंडेवर भारत में लॉन्च होती है तो सीधे तौर पर Toyota Fortuner को टक्कर देगी। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। New-gen Ford Endeavour को हाल ही में भारत में देखा गया था। इसके बाद घरेलू बाजार में फोर्ड की वापसी को लेकर खबरें तेज हो गई हैं। हालांकि, इसको लेकर अमेरिकी कार कंपनी ने कोई पुष्टि नहीं की है।

अगर नई एंडेवर भारत में लॉन्च होती है तो सीधे तौर पर Toyota Fortuner को टक्कर देगी। आइए, उन 10 फीचर्स के बारे में जान लेते हैं, जो Endeavour को फॉर्च्यूनर के मुकाबले बेहतर बनाते हैं।

सनरूफ भारतीय कार खरीदारों द्वारा सबसे अधिक मांग वाले फीचर्स में से एक है और टोयोटा फॉर्च्यूनर में सिंगल-पेन सनरूफ भी नहीं मिलता है। दूसरी ओर, नई पीढ़ी की एंडेवर में पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है।

ADAS

सेफ्टी फीचर्स की बात करें, तो ADAS का नाम पहले स्थान पर आता है। मौजूदा समय में 15-20 लाख रुपये की प्राइस रेंज वाली लगभग सभी कारों में एडाल दिया जाता है। इसी तरह, नई एंडेवर में एडास फीचर्स का एक पूरा सूट मिलता है। इसमें एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और बहुत कुछ शामिल है। वहीं, टोयोटा फॉर्च्यूनर अभी तक इस फीचर से वंचित है।

नई एंडेवर फॉर्च्यूनर के विपरीत 12.4 इंच के पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से लैस है, जो एनालॉग यूनिट पर निर्भर है। इसी तरह एंडेवर का 12-इंच पोर्ट्रेट इंफोटेनमेंट सिस्टम फॉर्च्यूनर के 8-इंच यूनिट से कहीं बेहतर है।

इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक एक उपयोगी फीचर है। फोर्ड एंडेवर में यह सुविधा मिलती है, जबकि टोयोटा फॉर्च्यूनर एक नियमित मैनुअल यूनिट का उपयोग करती है।

360-Degree Parking Camera

फोर्ड एंडेवर में 360-डिग्री पार्किंग कैमरा बड़े आकार की एसयूवी के लिए एक आवश्यक सुविधा बन गया है, खासकर शहर के रोजमर्रा के उपयोग में यह जरूरी है। वहीं, फॉर्च्यूनर में केवल पार्किंग सेंसर के साथ रियर पार्किंग कैमरा मिलता है।

Heated Seats और Steering Wheel

फोर्ड एंडेवर और टोयोटा फॉर्च्यूनर दोनों में वेंटिलेटेड सीट्स के साथ आती हैं, लेकिन एंडेवर हीटेड सीट्स और स्टीयरिंग व्हील के साथ भी उपलब्ध है।

Drive Modes

टोयोटा फॉर्च्यूनर तीन ड्राइव मोड यानी इको, नॉर्मल और स्पोर्ट प्रदान करता है। दूसरी ओर नई एंडेवर ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों ड्राइव मोड जैसे स्लिपरी, मड/रट्स, सैंड और बहुत कुछ के साथ आती है।

Powered 3rd Row Seats

नई एंडेवर की थर्ड रो की सीटों में पावर्ड फोल्डिंग फंक्शन मिलता है, जो आपको टोयोटा फॉर्च्यूनर में मैन्युअली करना होगा।

बजाज चेतक ई-स्कूटर का किफायती वेरिएंट जल्द हो सकता है लॉन्च, ऐथर और ओला को मिलेगी टक्कर

परिवहन विशेष न्यूज

बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेश Rakesh Sharma ने कहा है कि वे Chetak लाइनअप के विस्तार पर काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि चेतक के नए वेरिएंट को छोटे बैटरी पैक और कम शक्तिशाली मोटर के साथ लॉन्च किया जा सकता है। फीचर्स की संख्या भी कम होने की उम्मीद है और संभवतः स्पीडो के लिए ये मोनोक्रोम एलसीडी कंसोल से लैस किया जाएगा।

नई दिल्ली। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेश Rakesh Sharma ने कहा है कि वे Chetak लाइनअप के विस्तार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा है कि bajaj Auto वर्तमान में अधिक सेगमेंट को कवर करने के लिए अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर पोर्टफोलियो का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। ब्रांड अगले कुछ महीनों में एक नया प्रोडक्ट पेश करने का प्लान बना रहा है। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

Chetak का किफायती वेरिएंट होगा लॉन्च

सरकार ईवी पर सब्सिडी हटाने की योजना बना रही है और इसके बाद बाजार में ओला और एथर जैसे प्रतिस्पर्धी अधिक किफायती मॉडल पेश कर रहे हैं। हमारा मानना है कि चेतक लाइनअप में नया वेरिएंट 1 लाख रुपये से कम की एक्स-शोरूम कीमत पर वॉल्यूम बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ऐसे होगी कास्ट कटिंग

इसे छोटे बैटरी पैक और कम शक्तिशाली मोटर के साथ लॉन्च किया जा सकता है। फीचर्स की संख्या भी कम होने की उम्मीद है और संभवतः स्पीडो के लिए ये मोनोक्रोम एलसीडी कंसोल से लैस किया जाएगा। इसके अलावा लागत में कटौती के कई उपाय भी लागू किए जाने की संभावना है।

FAME 2 सब्सिडी खत्म होने से बढ़ेंगे दाम?

राकेश शर्मा ने यह भी उल्लेख किया है कि सब्सिडी हटाने से कुछ समय के लिए ईवी अपनाने की दर प्रभावित हो सकती है, लेकिन लंबे समय में यह वास्तव में एक फायदा है, क्योंकि केवल गंभीर निर्माता और गंभीर खरीदार ही बाजार में टिके रहेंगे। कथित तौर पर, FAME 2 सब्सिडी को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (EMPS) सब्सिडी द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है और ये 1 अप्रैल, 2024 से 31 जुलाई, 2024 तक उपलब्ध होगी।

चेतक का आगामी नया संस्करण अप्रैल या मई में किसी समय लॉन्च होने की उम्मीद है। इसकी कीमत 1 लाख रुपये (ईएमपीएस सहित एक्स-शोरूम) से कम होगी। लॉन्च होने के बाद नया चेतक वर्तमान में बाजार में टीवीएस आईक्यूब, एथर 450एस और ओला एस1 एक्स जैसे अन्य किफायती ई-स्कूटरों को टक्कर देगा।

ऑडी इंडिया लोकल प्रोडक्शन पर करेगी फोकस, घरेलू बाजार में किफायती EVs बेचने का प्लान

Audi India की ओर से EVs की लोकल असेंबली शुरू करने का प्लान किया जा रहा है। ऑटोमेकर वर्तमान में इंडियन ऑटो मार्केट के अंदर Q8 50 e-tron Q8 55 e-tron Q8 Sportback 50 e-tron Q8 Sportback 55 e-tron e-tron GT और RS e-tron GT बेचती है। इनमें से अधिकतर कारें फिलहाल इम्पोर्ट की जाती हैं। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी Audi India की ओर से EVs की लोकल असेंबली शुरू करने का प्लान किया जा रहा है। कंपनी अपने इस कदम से देश में कस्टमर बेस का विस्तार कर सकेगी, क्योंकि गाड़ियों की लागत कम होने वाली है। आइए, पूरे प्लान के बारे में जान लेत हैं।

Audi India की फ्लीट

ऑटोमेकर वर्तमान में इंडियन ऑटो मार्केट के अंदर Q8 50 e-tron, Q8 55 e-tron, Q8 Sportback 50 e-tron, Q8 Sportback 55 e-tron, e-tron GT और RS e-tron GT बेचती है। इनमें से अधिकतर कारें फिलहाल इम्पोर्ट की जाती हैं। हालांकि, कंपनी अपनी औरंगाबाद (महाराष्ट्र) स्थित फैसिलिटी में Q3, Q3 Sportsback, Q5, Q7, A4 और A6 जैसे पेट्रोल मॉडल को असेंबल करती है।

लोकल असेंबली पर जोर

समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि ईवी की लोकल मैन्युफैक्चरिंग डेवलपमेंट में है और इसके लिए ग्लोबल हेडक्वॉर्टर से सक्रिय रूप से चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा-

हम Audi AG के साथ बहुत सकारात्मक रूप से काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि किसी समय हम इसकी (ईवी मॉडलों की स्थानीय असेंबली) घोषणा करने में सक्षम होंगे।

प्रक्रिया शुरू होने की अपेक्षित समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर, ढिल्लों ने कोई विशेष तारीख साझा नहीं की, लेकिन कहा कि इंडिया यूनिट ग्लोबल हेडक्वॉर्टर साथ इस मामले पर बहुत रसकारात्मकर चर्चा कर रही है। उन्होंने कहा, रउम्मीद है कि किसी समय हमारे पास कुछ समाधान होगा। यही वह समय है जब आप और भी अधिक (ग्राहकों के समूह) तक पहुंच सकते हैं, क्योंकि तब आपको प्राइस प्वॉइंट के मामले में सबसे अच्छा लाभ मिलेगा।र

कैसे घटेगी कीमत?

वर्तमान में, भारत में पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) के रूप में आयात की जाने वाली कारों पर 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगता है। देश की सीमा शुल्क प्रणाली इलेक्ट्रिक कारों और हाइड्रोकार्बन-संचालित वाहनों के साथ समान व्यवहार करती है घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण टैरिफ लगाती है। वैश्विक स्तर पर ऑडी अगले 2-3 वर्षों में कई इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने पर विचार कर रही है, जिनमें से कई भारत में भी आएंगे, जिससे भारतीय परिचालन को यह चुनने में मदद मिलेगी कि किसे स्थानीय बनाना है।

निसान की ओर से इंडियन मार्केट में लॉन्च की जाएंगी 3 नई गाड़ियां, कंपनी ने बताया फ्यूचर प्लान

भारत में कंपनी ने कहा कि वह तीन बिल्कुल नए मॉडल लॉन्च करेगी और 100000 यूनिटके स्तर पर निर्यात का केंद्र बन जाएगी। कंपनी ने सोमवार को मूल्य बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए अपनी नई बिजनेस योजना द आर्क लॉन्च की है। नई योजना के तहत कंपनी वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में अतिरिक्त 10 लाख यूनिट बिक्री का लक्ष्य रख रही है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जापानी ऑटो प्रमुख Nissan Motor Co Ltd ने वित्तीय वर्ष 2026 तक भारत में तीन बिल्कुल नए मॉडल लॉन्च करने, मूल्य बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए अपनी नई वैश्विक व्यापार योजना के तहत देश को निर्यात का केंद्र बनाने की योजना बनाई है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

क्या है कंपनी का फ्यूचर प्लान?

नई योजना के तहत कंपनी वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में अतिरिक्त 10 लाख यूनिट बिक्री का लक्ष्य रख रही है। वैश्विक स्तर पर, निसान ने अगले तीन वर्षों में 30 नए मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है, जिनमें से 16 इलेक्ट्रिक और 14 आईसीई (आंतरिक दहन इंजन) मॉडल होंगे।

इसकी वित्तीय वर्ष 2024 और 2030 से सभी खंडों को कवर करने के लिए कुल 34 ईवी मॉडल लॉन्च करने की योजना है, वित्तीय वर्ष 2026 तक वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों के मॉडल मिश्रण की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत और दशक के अंत तक 60 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है।

भारत में लॉन्च होंगी 3 नई कारें

भारत में, कंपनी ने कहा कि वह रतीन बिल्कुल नए मॉडल लॉन्च करेगी और 1,00,000 यूनिटके स्तर पर निर्यात का केंद्र बन जाएगीर। कंपनी ने सोमवार को मूल्य बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए अपनी नई बिजनेस योजना 'द आर्क' लॉन्च की है।

आर्क योजना भविष्य के लिए हमारा रास्ता दिखाती है। यह हमारी निरंतर प्रगति और बदलती बाजार स्थितियों को नेविगेट करने की क्षमता को दर्शाती है। यह योजना हमें मूल्य और प्रतिस्पर्धात्मकता में आगे और तेजी से आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगी। अत्यधिक बाजार अस्थिरता का सामना करते हुए, निसान निर्णायक कदम उठा रहा है।

मुक्त व्यापार समझौतों की अहमियत

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 10 मार्च को भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे व्यापार और आर्थिक समझौता (टीईपीए) कहा गया है। गौरतलब है कि मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। इस संधियों के अंतर्गत 10 से 30 विषय शामिल होते हैं। दुनिया में 350 से अधिक एफटीए वर्तमान में लागू हैं और भारत के द्वारा ईएफटीए देशों के साथ जो एफटीए किया है, वह दुनिया में अहम माना जा रहा है। 2022-2023 के दौरान ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 1.92 अरब डॉलर रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान इन देशों से भारत का कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था। यानी व्यापार घाटा 14.82 अरब डॉलर हुआ था। नए एफटीए के तहत ईएफटीए ने अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह भारत का ऐसे समूह के साथ पहला व्यापार करार है, जिसमें विकसित देश शामिल हैं। ईएफटीए के सदस्य देशों में आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन शामिल हैं। इस समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें वस्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल है जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निर्मित होंगी।

हम उम्मीद करें कि ईएफटीए के बाद अब भारत के द्वारा ओमान, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमरीका, इजरायल, भारत, गल्फ कंट्रीज काउंसिल और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। हम उम्मीद करें कि देश मुक्त व्यापार समझौतों की ताकत के साथ आगे बढ़ेगा, साथ ही देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई विकसित भारत : 2047 की विस्तृत कार्ययोजना के एजेंडे पर 8 से 9 फीसदी विकास दर के साथ विकसित भारत की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को निश्चय ही लाभ होने वाला है'

हाल ही में 10 मार्च को भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) ने निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे व्यापार और आर्थिक समझौता (टीईपीए) कहा गया है। गौरतलब है कि मुक्त व्यापार समझौता दो या दो से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। इन संधियों के अंतर्गत 10 से 30 विषय शामिल होते हैं। दुनिया में 350 से अधिक एफटीए वर्तमान में लागू हैं और भारत के द्वारा ईएफटीए देशों के साथ जो एफटीए किया है, वह दुनिया में अहम माना जा रहा है। 2022-2023 के दौरान ईएफटीए देशों को भारत का निर्यात 1.92 अरब डॉलर रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान इन देशों से भारत का कुल आयात 16.74 अरब डॉलर था। यानी व्यापार घाटा 14.82 अरब डॉलर हुआ था। नए एफटीए के तहत ईएफटीए ने अगले 15 साल में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह भारत का ऐसे समूह के साथ पहला व्यापार करार है, जिसमें विकसित देश शामिल हैं। ईएफटीए के सदस्य देशों में आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन शामिल हैं। इस समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें वस्तुओं के व्यापार, उत्पत्ति के नियम, शोध एवं नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं का व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल है जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां निर्मित होंगी।

इस समझौते में व्यापार से ज्यादा निवेश पर जोर दिया गया है और भारत में इस समय निवेश के बेहतरीन मौके हैं। गौरतलब है कि इन चार यूरोपीय देशों से होने वाले भारत के कुल व्यापार में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से अधिक है तथा बाकी की हिस्सेदारी में अन्य तीनों देश शामिल हैं। इस समझौते से डिजिटल व्यापार, बैंकिंग, वित्तीय सेवा, फार्मा, टेक्सटाइल जैसे सेक्टर में इन चार देशों के बाजार में भारत की पहुंच आसान होगी। इसके बदले में भारत भी इन देशों की विभिन्न वस्तुओं के लिए अपने आयात शुल्क को कम करेगा। यद्यपि कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है, साथ ही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मास, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में ईएफटीए देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप के बड़े बाजार में पहुंच आसान हो जाएगी। इस समझौते में स्विट्जरलैंड के शामिल होने से भारत में लोकप्रिय स्विटजरलैंड के चॉकलेट्स, घड़ी व बिस्कुट भारतीय बाजार में पहले की तुलना में कम कीमत पर मिलेंगे। समझौते के मुताबिक इन दोनों ही वस्तुओं पर लगने वाले वर्तमान के आयात शुल्क को अगले सात साल में चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। इसलिए हर साल शुल्क में थोड़ी-थोड़ी कटौती होती रहेगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस समझौते से भारत के साथ ईएफटीए देशों को वृद्धि के लिए भारत के बड़े बाजार तक पहुंच मिली है।

भारतीय कंपनियां भी अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक जुझारू बनाते हुए उनमें विविधता लाने का प्रयास करेंगी। दूसरी तरफ भारत को ईएफटीए से अधिक विदेशी निवेश मिलेगा। इससे अंततः अच्छी नौकरियों में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर भारत को अपनी आर्थिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने और रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि भारत और ईएफटीए देश व्यापार और निवेश समझौते पर 15 साल से भी लंबे समय से बातचीत कर रहे थे। करीब 13 दौर की वार्ता के बाद 2013 के अंत में इस पर बातचीत रुक गई थी। इसके बाद 2016 में फिर से वार्ता शुरू हुई और चार दौर की बातचीत के बाद अब यह समझौता धरातल पर आया है। वस्तुतः भारत-ईएफटीए, व्यापार समझौता एक मुक्त, निष्पक्ष और समानता वाले व्यापार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसके जरिए भारत और ईएफटीए देश आर्थिक रूप से एक दूसरे के पूरक बन जाएंगे। ज्ञातव्य है कि ईएफटीए देश यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा नहीं हैं। यह मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और तेज करने के लिए एक अंतर सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना उन देशों के लिए एक विकल्प के रूप में की गई थी जो यूरोपीय समुदाय में शामिल नहीं होना चाहते थे। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत वैश्विक नेतृत्व कर्ता देश के रूप में उभरकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में दुनिया के कई विकसित और विकासशील देश भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने के लिए उत्सुक हैं। दुनिया यह देख रही है कि भारत सबसे तेज अर्थव्यवस्था के साथ आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को आर्थिक पंख लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि अब नए मुक्त व्यापार समझौते भारत को निम्न मध्यम से उच्च मध्यम आय वाला देश बनाने में बड़े मददगार होंगे। निःसंदेह वर्तमान वैश्विक मंदी और इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर भारत के लिए यह सबक उभरकर दिखाई दे रहा है कि निर्यात बढ़ाने के लिए ईएफटीए के बाद अब अन्य विभिन्न देशों के साथ एफटीए वार्ताओं की गति बढ़ाई जाए।

साथ ही देश में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (सेज) की नई भूमिका, मेक इन इंडिया अभियान की सफलता और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के उपयुक्त क्रियान्वयन पर पूर्ण ध्यान देकर निर्यात के संभावित मौकों को मुठ्ठियों में लिया जाए। हम उम्मीद करें कि भारत निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया व यूएई के साथ किए गए एफटीए लाभप्रद सिद्ध हो रहे हैं, उसी तरह ईएफटीए देशों के साथ किया गया नया समझौता भी निर्यात व वैश्विक व्यापार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा। हम उम्मीद करें कि ईएफटीए के बाद अब भारत के द्वारा ओमान, ब्रिटेन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, अमरीका, इजरायल, भारत, गल्फ कंट्रीज काउंसिल और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा। हम उम्मीद करें कि देश मुक्त व्यापार समझौतों की ताकत के साथ आगे बढ़ेगा, साथ ही देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुरूप तैयार की गई विकसित भारत : 2047 की विस्तृत कार्ययोजना के एजेंडे पर 8 से 9 फीसदी विकास दर के साथ विकसित भारत की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

संपादक की कलम से

चंद्र ग्रहण के बाद साल का पहला सूर्य ग्रहण इस दिन लगेगा, जानें तारीख और सूतक काल का समय

इस साल का पहला सूर्य ग्रहण अप्रैल में पड़ने जा रहा है। 8 अप्रैल 2024 को सूर्य ग्रहण लग रहा है। वैज्ञानिक दृष्टि से सूर्य ग्रहण को खगोलीय घटना माना जाता है। लेकिन ज्योतिष के मुताबिक इसे शुभ नहीं माना जाता है। हाल ही में 25 मार्च को चंद्र ग्रहण लगा था, इसका सूतक काल भारत में मान्य नहीं था।

8 अप्रैल 2024 को सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। इस साल का यह पहला सूर्य ग्रहण होगा। वैज्ञानिक दृष्टि से सूर्य ग्रहण को खगोलीय घटना माना जाता है। लेकिन ज्योतिष के मुताबिक इसे शुभ नहीं माना जाता है।

ग्रहणकाल के दौरान हमारे आस-पास की हर चीज प्रभावित होती रहती है। इस दौरान कुछ काम को करने से बचना चाहिए। बता दें कि, 25 मार्च 2024 को साल का पहला चंद्र ग्रहण लगा था। अब 8 अप्रैल को लगने वाला सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई देगा या नहीं और इसका प्रभाव क्या होगा? हर किसी के मन में यही सवाल आ रहे हैं। तो चलिए आपको बताते हैं 8 अप्रैल को लगने वाला साल का पहला सूर्य ग्रहण कितने बजे लगेगा और किन-किन जगहों पर दिखाई देगा।

इस साल 2024 का पहला सूर्य ग्रहण

सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल, दिन सोमवार को लगेगा। भारतीय समयानुसार यह सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल की रात 9 बजकर 12 मिनट से शुरु होगा और 9 अप्रैल को मध्य रात्रि में 2 बजकर 22 मिनट पर इसका समापन होगा।

किन-किन जगहों पर दिखेगा सूर्य ग्रहण?

इस साल 2024 का पहला सूर्य ग्रहण कनाडा, मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट्स, अरूबा, बर्मुडा, करेबियन नीदरलैंड, कोलंबिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिका, ग्रीनलैंड, आयरलैंड, आइसलैंड, जमाइका, नॉर्वे, पनामा, निकारगुआ, रूस, पोर्तो रिको, सैंट मार्टिन, स्पेन, द बहामास, यूनाइटेड किंग्डम और वेनेजुएला सहित दुनिया के कुछ हिस्सों से दिखाई देगा।

क्या भारत में दिखेगा सूर्य ग्रहण?

जैसे चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखाई दिया वैसे ही साल 2024 का पहला सूर्य ग्रहण भारत में नजर नहीं आएगा।

सूतक काल मान्य होगा या नहीं

सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले इसका सूतक काल शुरु होता है और ग्रहण लगने के बाद तक रहता है। हालांकि सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा, इसलिए यहां पर इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा।

राय

जानिए क्या है मंगलसूत्र में काले मोती पिरोए जाने का ज्योतिष महत्व, वैवाहिक जीवन पर पड़ता ऐसा प्रभाव

सपने में बंदरों या बंदरों के झुंड को देखना आमतौर पर जिज्ञासा, चंचलता, रचनात्मकता और बुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा सपने में बंदर देखना परिवर्तन, खुशी या फिर शरारती व्यवहार का भी प्रतीक हो सकता है।

अक्सर हम सभी सपने देखते हैं। वहीं सपने में दिखाई देने वाली चीजों का अलग मतलब और संकेत होता है। कई बार हम सपने में जानवर देखते हैं, जिससे जीवन में कुछ संकेत मिलता है। कई बार हम सपने में बंदर देखते हैं। आपको बता दें कि सपने में बंदरों या बंदरों के झुंड को देखना आमतौर पर जिज्ञासा, चंचलता, रचनात्मकता और बुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा सपने में बंदर देखना परिवर्तन, खुशी या फिर शरारती व्यवहार का भी प्रतीक हो सकता है।

सपने में बंदर को देखना आपके जीवन के लिए कुछ विशेष संकेत मिलता है। ऐसे में आप अपने जीवन में कुछ बदलाव भी ला सकते हैं। यदि आप भी सपने में बंदर देखने का मतलब जानना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे सपनों के मतलब के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

बंदर को भागते हुए देखना

अगर आप सपने में बंदर को भागते हुए देखते हैं, तो यह संकेत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचाने वाले हो सकते हैं। या फिर आपको जल्द ही किसी बीमारी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा आपके जीवन में कोई भयावह स्थिति भी बन सकती है।

सपने में भागते हुए बंदर को देखने का संकेत हो सकता है कि जल्द ही आपको शारीरिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा यह कार्यों में अवरोध का भी संकेत हो सकता है। इसलिए आपको सतर्क हो जाना चाहिए। वहीं आपको किसी बड़ी यात्रा को भी टाल देना चाहिए, जिससे कि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

बहुत सारे बंदर देखना

अगर आपको सपमे में बहुत सारे बंदर दिखाई देते हैं, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है आप किसी भी जगह पर अकेले नहीं है। आपको अपने परिवार और मित्रों का साथ मिलने वाला है। अगर आप कोई बड़ा निर्णय लेने वाले हैं, तो उसमें भी आपको परिवार का साथ मिलेगा। बता दें कि सपने में बंदरों का झुंड देखना पारिवारिक एकता का प्रतीक माना जाता है। बंदर एक ऐसा जानवर है, जो अपने परिवार का साथ कभी नहीं छोड़ता है। इसलिए ऐसा सपना देखना परिवार के संग अच्छे संबंधों का प्रतीक होता है।

बंदर का पीछा करना

अगर सपने में बंदर आपका पीछा करता दिख रहा है, तो यह इस बात का संकेत होता है कि आपके जीवन में कोई ऐसे परिस्थिति आ सकती है। जिससे आप बचना चाहते हैं और उस परिस्थिति से आगे निकलना चाहते हैं। यह सपना किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है।

बंदर का गुस्से में देखना

सपने में यदि आप बंदर को गुस्सा करते हुए देखते हैं, तो आपको भविष्य में सचेत रहने का संकेत मिलता है। भविष्य में आपका मान-सम्मान घट सकता है या फिर किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

सूर्य और मंगल का गोचर, इन 5 राशियों के रिश्ते में बढ़ेगा प्यार और उत्साह

रेनू तिवारी

हमारे ज्योतिष विशेषज्ञ द्वारा तैयार हमारे साप्ताहिक प्रेम राशिफल भविष्यवाणी के साथ जानें कि प्यार के मामले में आने वाला सप्ताह आपके लिए क्या लेकर आने वाला है, ताकि आप अपने सप्ताह की योजना उसके अनुसार बना सकें।

जैसे ही नया सप्ताह शुरू होता है, प्यार का जादू प्रत्येक राशि को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हो जाता है। चाहे आप अपने वर्तमान रिश्ते के बारे में सोच रहे हों या अपने जीवनसाथी से मिलने की संभावना जानना चाहते हों, यहां विशेषज्ञ ज्योतिषी पंडित द्वारा प्रत्येक राशि के लिए साप्ताहिक प्रेम राशिफल भविष्यवाणी दी गई है।

मेष राशि

मेष राशि के जातक इस सप्ताह अपने रोमांटिक रिश्तों में सकारात्मक विकास की उम्मीद कर सकते हैं। आपसी स्नेह गहरा होगा, जिससे भागीदारों के बीच मजबूत संबंध बनेंगे। पूरे सप्ताह अपने साथी से ध्यान और स्नेह की अपेक्षा रखें। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ता है, आप शांतिपूर्ण और सार्थक संबंध की तलाश में अपने साथी के साथ अकेले बिताए सुखद क्षणों की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के लोग अपने रोमांटिक प्रयासों के लिए एक अनुकूल सप्ताह की उम्मीद कर सकते हैं, जिसमें प्यार खिलेगा और गहरा होगा। सप्ताह की शुरुआत में उनके प्रेम जीवन के संबंध में आशाजनक समाचार आ सकते हैं, जिससे सकारात्मक माहौल बनेगा। सप्ताह के अंत में कई अवसर सामने आने की संभावना है, जो दिल के मामलों में खुशी और समृद्धि बढ़ाने के रास्ते पेश करेंगे।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने प्रेम जीवन में सकारात्मक वृद्धि का अनुभव होने वाला है, विशेष रूप से आपसी रिश्तों में अनुकूलता। रोमांस हवा में रहेगा, जिससे आपको अपने साथी के साथ आनंददायक सैर-सपाटे का अवसर मिलेगा। हालाँकि सप्ताह के अंत में छोटे-मोटे मतभेद सामने आ सकते हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों को इस सप्ताह प्रेम संबंधी मामलों को सावधानी से लेना चाहिए, क्योंकि महत्वपूर्ण निर्णय लेने की नौबत आ सकती है। भावनात्मक तनाव उत्पन्न हो सकता है। सप्ताह के अंत तक खुले संचार में शामिल होने से किसी भी उभरते मुद्दे को प्रभावी ढंग से हल करने में मदद मिल सकती है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने रोमांटिक प्रयासों में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में वांछित ध्यान न मिलने की भावना के साथ, उनके प्रेम जीवन में मुद्दे बढ़ सकते हैं। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, भावनात्मक संकट अधिक प्रमुख हो सकता है।

कन्या राशि

कन्या राशि के तहत जन्मे लोगों के लिए, यह सप्ताह प्यार के लिए अनुकूल परिस्थितियों का वादा करता है, एक रोमांटिक माहौल पेश करता है। बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके जीवन में सुख और समृद्धि लाएगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में, खुशी के क्षणों और आपसी स्नेह में गहराई की उम्मीद करें।

तुला राशि

इस सप्ताह तुला राशि के जातक आपसी संबंधों में सुधार के साथ-साथ अपने प्रेम जीवन में खुशियों की बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं। दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने से आने वाले दिनों में बेहतर सुख और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा, सप्ताह का उत्तरार्ध एक नई शुरुआत का संकेत देता है, जो आपके प्रेम जीवन में शांति और रोमांटिक आनंद का वादा करता है।

वृश्चिक राशि

यह सप्ताह वृश्चिक राशि वालों के लिए उनके रोमांटिक रिश्तों में चुनौतियाँ पैदा कर सकता है, आपसी प्रेम में संभावित कठिनाइयाँ आ सकती हैं। संतान को लेकर उदासी की भावना भी हो सकती है, जिससे प्रेम में मामला और उलझ जाएगा। सलाह दी जाती है कि कोई भी निर्णय सावधानी से लें, विशेषकर सप्ताह के अंत में।

धनुराशि राशि

सप्ताह की शुरुआत होते ही धनु राशि के लोग अपने प्रेम जीवन में आनंददायक क्षणों की आशा कर सकते हैं, जिसके साथ संभावित रूप से उत्साहवर्धक समाचार भी आ सकते हैं। रोमांस पनपेगा और सप्ताह आकर्षण से भर जाएगा। सप्ताह का उत्तरार्ध अनुकूल परिस्थितियों का वादा करता है, जिससे आपके साथी को प्रभावित करने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

मकर राशि

इस सप्ताह, मकर राशि के लोग अपने रोमांटिक रिश्तों में आपसी स्नेह को गहरा करने, सुखद क्षणों को बढ़ावा देने की उम्मीद कर सकते हैं। वे संभवतः अपने साथियों के साथ सुकून भरे पल तलाशेंगे। हालाँकि, किसी महिला के प्रभाव के कारण भावनात्मक अशांति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से उनके प्रेम जीवन में कुछ चुनौतियाँ आ सकती हैं।

कुंभ राशि

इस सप्ताह कुंभ राशि के जातक अपने रोमांटिक प्रयासों में अनुकूल अवधि की उम्मीद कर सकते हैं। एक नया दृष्टिकोण या एक नई शुरुआत आशाजनक संकेत देती है। आने वाला सप्ताह रोमांटिक रहने की उम्मीद है, जिसमें प्रियजनों के साथ बिताए सुखद पल होंगे।

मीन राशि

यह सप्ताह मीन राशि के जातकों के लिए विशेष रूप से प्रेम के मामलों में विचारशील निर्णय लेने पर महत्वपूर्ण ध्यान केंद्रित करता है। कोई भी विकल्प चुनने से पहले सावधानीपूर्वक निर्णय लेने के साथ सप्ताह की शुरुआत आपके जीवन में खुशी और शांति लाने का वादा करती है। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, अनुकूल अवसर मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आपको अपने मित्रों का भी भरपूर ध्यान मिलेगा।

सपने में बंदर का झुंड या गुस्से वाले बंदर का दिखना देता है ऐसा

अनन्या मिश्रा

सपने में बंदरों या बंदरों के झुंड को देखना आमतौर पर जिज्ञासा, चंचलता, रचनात्मकता और बुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा सपने में बंदर देखना परिवर्तन, खुशी या फिर शरारती व्यवहार का भी प्रतीक हो सकता है।

अक्सर हम सभी सपने देखते हैं। वहीं सपने में दिखाई देने वाली चीजों का अलग मतलब और संकेत होता है। कई बार हम सपने में जानवर देखते हैं, जिससे जीवन में कुछ संकेत मिलता है। कई बार हम सपने में बंदर देखते हैं। आपको बता दें कि सपने में बंदरों या बंदरों के झुंड को देखना आमतौर पर जिज्ञासा, चंचलता, रचनात्मकता और बुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा सपने में बंदर देखना परिवर्तन, खुशी या फिर शरारती व्यवहार का भी प्रतीक हो सकता है।

सपने में बंदर को देखना आपके जीवन के लिए कुछ विशेष संकेत मिलता है। ऐसे में आप अपने जीवन में कुछ बदलाव भी ला सकते हैं। यदि आप भी सपने में बंदर देखने का मतलब जानना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे सपनों के मतलब के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

बंदर को भागते हुए देखना

अगर आप सपने में बंदर को भागते हुए देखते हैं, तो यह संकेत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचाने वाले हो सकते हैं। या फिर आपको जल्द ही किसी बीमारी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा आपके जीवन में कोई भयावह स्थिति भी बन सकती है।

सपने में भागते हुए बंदर को देखने का संकेत हो सकता है कि जल्द ही आपको शारीरिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा यह कार्यों में अवरोध का भी संकेत हो सकता है। इसलिए आपको सतर्क हो जाना चाहिए। वहीं आपको किसी बड़ी यात्रा को भी टाल देना चाहिए, जिससे कि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

बहुत सारे बंदर देखना

अगर आपको सपमे में बहुत सारे बंदर दिखाई देते हैं, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है आप किसी भी जगह पर अकेले नहीं है। आपको अपने परिवार और मित्रों का साथ मिलने वाला है।

अगर आप कोई बड़ा निर्णय लेने वाले हैं, तो उसमें भी आपको परिवार का साथ मिलेगा। बता दें कि सपने में बंदरों का झुंड देखना पारिवारिक एकता का प्रतीक माना जाता है। बंदर एक ऐसा जानवर है, जो अपने परिवार का साथ कभी नहीं छोड़ता है। इसलिए ऐसा सपना देखना परिवार के संग अच्छे संबंधों का प्रतीक होता है।

बंदर का पीछा करना

अगर सपने में बंदर आपका पीछा करता दिख रहा है, तो यह इस बात का संकेत होता है कि आपके जीवन में कोई ऐसे परिस्थिति आ सकती है। जिससे आप बचना चाहते हैं और उस परिस्थिति से आगे निकलना चाहते हैं। यह सपना किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है।

बंदर का गुस्से में देखना

सपने में यदि आप बंदर को गुस्सा करते हुए देखते हैं, तो आपको भविष्य में सचेत रहने का संकेत मिलता है। भविष्य में आपका मान-सम्मान घट सकता है या फिर किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यह सपना इस बात की ओर भी संकेत करता है कि भविष्य में परिवार के किसी सदस्य संग आपका झगड़ा हो सकता है।

बंदर का हमला करना

सपने में यदि आप बंदर को खुद पर हमला करते हुए देखते हैं, तो इसको भी एक अच्छा सपना नहीं माना जाता है। यह जीवन में आने वाली किसी परेशानी का संकेत हो सकता है। कोई करीबी आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। इस तरह का सपना नकारात्मक परिस्थितियों का संकेत देता है।

बंदर के साथ बच्चा देखना

सपने में बंदर और उसका बच्चा देखना एक शुभ संकेत होता है। यह सपना इस ओर संकेत करता है कि भविष्य में आपको कोई खुशखबरी मिलने वाली है। यह सपना घर में नन्हे मेहमान के आगमन का भी संकेत हो सकता है।

इसके अलावा यह अच्छी नौकरी का भी संकेत हो सकता है। वहीं यह सपना जीवन में परिस्थितियां अनुकूल होने का संकेत होता है। आपको सफलता का सामना मिल सकती है।

बंदर को खेलते हुए देखना

यदि आप सपने में बंदर को खुश होते हुए और खेलते हुए देखते हैं, तो यह संकेत होता है कि आप जीवन में हर परिस्थिति से संतुष्ट हैं और खुशी महसूस कर सकते हैं। सपने में हंसता-खेलता हुआ बंदर देखना जीवन में सुख-समृद्धि का संकेत देता है। यह सपना खुशहाल जीवन का संकेत होता है।

सपने में बंदर दिखने पर क्या करें

सपने में बंदर दिखाई देने पर आपके जीवन के लिए मिले-जुले संकेत देता है। आप पर हनुमान जी की विशेष कृपा हो सकती है। ऐसे में सपने में बंदर दिखाई देने पर किसी भी तरह के नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए हनुमान जी के मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करें।

अब बेटी की पढ़ाई और शादी की टेंशन खत्म, रोजाना मात्र 121 रुपये के निवेश पर मैच्योरिटी पर मिलेंगे 27 लाख

परिवहन विशेष न्यूज

देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने बेटियों के भविष्य के लिए कई पॉलिसी लॉन्च की है। दरअसल कई पेरेंट्स अपनी बेटी की पढ़ाई और शादी के खर्चों को लेकर काफी टेंशन लेते हैं। ऐसे में एलआईसी ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एलआईसी कन्यादान पॉलिसी शुरू किया है। आइए इस प्लान के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। एलआईसी (LIC) कई तरह के इंश्योरेंस पॉलिसी प्लान देता है। इन प्लान में से कई प्लान बेटियों के लिए शुरू किया गया है।

बेटियों की पढ़ाई और शादी की टेंशन को खत्म करने के लिए आज हम आपको एलआईसी कन्यादान पॉलिसी (LIC Kanyadan Policy) के बारे में बताएंगे।

क्या है LIC Kanyadan Policy

एलआईसी कन्यादान पॉलिसी बेटी के सिक्योर फ्यूचर के लिए शुरू किया गया है। इस पॉलिसी में आप अपनी बेटी की पढ़ाई या शादी के खर्चों को पूरा करने के लिए शुरू कर सकते हैं। इस पॉलिसी में आपको रोजाना 121 रुपये जमा करना होता है यानी कि हर महीने 3,600 रुपये का निवेश करना होता है।

एलआईसी कन्यादान पॉलिसी का मैच्योरिटी टेन्योर 25 साल का होता है। मैच्योरिटी के बाद निवेशक को 27 लाख रुपये का लाभ मिलता है।

इसमें आप 13 से 25 वर्ष तक का मैच्योरिटी पीरियड का चयन कर सकता है। अगर आप रोजाना 75 रुपये यानी महीने में 2,250 रुपये का निवेश करते हैं तो मैच्योरिटी पर निवेशक को 14 लाख रुपये मिलेंगे।

इस पॉलिसी में निवेशक निवेश राशि को बढ़ा या घटा सकता है। बता दें निवेश राशि के आधार पर ही फंड में बदलाव होता है।

यहां है एलआईसी कन्यादान पॉलिसी की विशेषता

इस प्लान में बेटी की आयु कम से कम 1 वर्ष होनी चाहिए।

एलआईसी कन्यादान पॉलिसी में निवेशक को टैक्स बेनिफिट (Tax Benefit) का भी लाभ मिलता है। इसमें इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए क्लेम कर सकते हैं।

पॉलिसी में 1.5 लाख रुपये तक का कर लाभ मिलता है।

अगर पॉलिसी होल्डर की मृत्यु हो जाती है तो ऐसे में फैमिली मेंबर को 10 लाख रुपये तक का प्रावधान राशि दिया जाता है। वहीं, मैच्योरिटी पीरियड पूरे हो जाने के बाद नॉमिनी को 27 लाख रुपये मिलता है।

यह डॉक्यूमेंट है जरूरी

आधार कार्ड (Aadhaar Card)

इनकम सर्टिफिकेट (Income Certificate)

एड्रेस प्रूफ

पासपोर्ट साइज फोटो

बेटी की बर्थ सर्टिफिकेट

इरडा ने पॉलिसी सरेंडर करने के नियम बदले, जानें बीमा ग्राहकों पर क्या होगा असर?

बीमा नियामक इंश्योरेंस रेगुलेटर एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (IRDA) ने पॉलिसी से जुड़े कई नियमों में बदलाव किया है। इसमें इंश्योरेंस पॉलिसी वापसी यानी सरेंडर करने से जुड़ा नियम भी शामिल है। इसके मुताबिक बीमा कंपनियों को इंश्योरेंस पॉलिसी सरेंडर से जुड़े नियमों और शुल्क का खुलासा करना होगा। नए नियम एक अप्रैल 2024 से लागू होंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने मंगलवार को विभिन्न नियमों को अधिसूचित किया है। इसमें बीमा पॉलिसी वापस करने या सरेंडर करने से जुड़ा शुल्क भी शामिल है। इसमें बीमा कंपनियों को ऐसे शुल्क की पहले ही जानकारी देनी होती है। ये नियम एक अप्रैल, 2024 से प्रभाव में आएंगे।

नियमों के तहत यह तय किया गया है कि यदि पॉलिसी खरीद के तीन साल के भीतर लौटाई या वापस की जाती है तो वापसी मूल्य समान या उससे भी कम रहने की संभावना है। हालांकि जिस पॉलिसी को चौथे से सातवें वर्ष तक वापस किया जाता है, उनके वापसी मूल्य में मामूली वृद्धि हो सकती है। बीमा में वापसी मूल्य से तात्पर्य बीमा कंपनियों के पॉलिसी को उसकी परिपक्वता तिथि से पहले पॉलिसी समाप्त करने पर भुगतान की गई राशि से है।

यदि पॉलिसीधारक पॉलिसी अवधि के दौरान 'सरेंडर' करता है, तो उसे कमाई और बचत हिस्से का भुगतान किया जाता है। इरडा ने एक बयान में कहा, 'यह नियामकीय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें 34 नियमों को छह नियमों के साथ बदला गया है। साथ ही नियामकीय परिदृश्य में स्पष्टता को लेकर दो नए नियम लाए गए हैं।

सुगम पोर्टल को मंजूरी दे चुका है इरडा

इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इससे पहले उपभोक्ताओं के हित के लिए बीमा सुगम पोर्टल की मंजूरी दी है। यह बीमा पॉलिसीज के लिए ई-मार्केटप्लेस के रूप में काम करेगा। यहां कस्टमर अलग-अलग पॉलिसीज को कंपेयर कर पाएंगे। साथ ही इससे क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया भी तेज और आसान होगी।

इरडा ने पिछले दिनों एक बयान में कहा कि यह बीमा क्षेत्र के सभी हितधारकों जैसे ग्राहक, बीमा कंपनी, मध्यस्थों और एजेंटों के लिए वन-स्टाप सॉल्यूशन प्लेटफार्म की तरह काम करेगा। इससे पूरे बीमा क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और सहयोग बढ़ेगा। इस पोर्टल को जल्द लॉन्च करने की तैयारी हो रही है।

अटल पेंशन योजना पर वित्त मंत्री ने कांग्रेस को दिया मुंहतोड़ जवाब, कहा - मिलती है 8 फीसदी तक के रिटर्न की गारंटी

लोकसभा चुनाव (Loksabha Election 2024) का बिगुल बज गया है। अब विपक्ष पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हमला किया। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने अपने एक्स पर मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि अटल पेंशन योजना को बहुत खराब तरीके से डिजाइन किया गया है। कांग्रेस के इस आरोप का जवाब निर्मला सीतारमण ने एक्स पर पोस्ट करके दिया।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। ऐसे में केंद्रीय सरकार और विपक्ष दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति देखने को मिल रही है।

हाल ही में कांग्रेस मे अटल पेंशन योजना (Atal Pension Yojana) को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया। कांग्रेस ने कहा कि अटल पेंशन योजना बहुत खराब तरीके से डिजाइन किया गया है। कांग्रेस ने अटल पेंशन योजना को कागजी शेर कहा।

कांग्रेस के इस आरोप का जवाब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (Nirmala Sitharaman) ने आज अपने एक्स पोस्ट पर दिया।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि अटल पेंशन योजना को सर्वोत्तम अभ्यास विकल्प वास्तुकला के आधार पर डिजाइन किया गया है। इस योजना में सरकार न्यूनतम 8 प्रतिशत रिटर्न की गारंटी देता है। यह एक लाभकारी योजना है जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है। निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि कई लोग हर साल नौकरी जारी रखने का निर्णय लेने के बजाय नौकरी छोड़ देते हैं। वहीं कई लोग रिटायरमेंट के लिए सेविंग करना पसंद करते हैं।

कुछ दिन पहले कांग्रेस ने अटल पेंशन योजना पर हमला किया। कांग्रेस - ने अपने एक्स पोस्ट पर अटल पेंशन योजना पर हमला किया।

उन्होंने अपने एक्स पोस्ट पर एक मीडिया रिपोर्ट जिसमें भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के हालिया नमूना अध्ययन का हवाला दिया गया था।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पेंशन योजना, अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से बाहर निकलने वाले तीन ग्राहकों में से कम से कम एक ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनके खाते उनकी स्पष्ट अनुमति के बिना खोले गए थे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के पोस्ट पर जवाब देते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि रमेश पर हमला करते हुए, सीतारमण ने कहा कि उन्होंने गारंटीकृत पेंशन योजना पर तथ्यों की जांच करने की जहमत नहीं उठाई।

APY के तहत न्यूनतम रिटर्न भारत सरकार द्वारा कम से कम 8 प्रतिशत होने की गारंटी है। यह एक आकर्षक गारंटीकृत न्यूनतम रिटर्न है। भारत सरकार वास्तविक में किसी भी कमी को पूरा करने के लिए PFRDA को सब्सिडी का भुगतान करती है।

यदि एपीवाई के ग्राहकों के योगदान पर उच्च निवेश रिटर्न प्राप्त होता है, तो ग्राहकों को उच्च पेंशन का भुगतान किया जाएगा। वर्तमान में अटल पेंशन योजना में 8 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिलता है। वह वोट बैंक और धोखाधड़ी को केंद्र सरकार अटल पेंशन योजना में भाग लेने वाले लोगों को धोखा दे रही है या फिर मजबूर कर रही है। वोट बैंक की राजनीति या अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के नाम पर @INCIndia हमेशा धोखा देती है। @TheOfficialSBI के पूर्व अध्यक्ष श्री आर.के. तलवार को मजबूर करने के लिए इसी तरह की जबरदस्ती का इस्तेमाल किया गया था। ऐसे में श्री आर.के. तलवार को इस्तीफा देना चाहिए।

इनसाइड

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर, चालू खाता घाटा 6.3 अरब डॉलर घटा, दोगुने से अधिक हुआ FDI

रिजर्व बैंक के अनुसार देश का चालू खाते का घाटा यानी करंट अकाउंट डेफिसिट (CAD) मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में घटकर 10.5 अरब डॉलर पर आ गया है। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.2 प्रतिशत है। इससे पिछली यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में यह 11.4 अरब डॉलर और एक साल पहले 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 16.8 अरब डॉलर था।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा है कि देश का चालू खाते का घाटा यानी करंट अकाउंट डेफिसिट (CAD) मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में घटकर 10.5 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.2 प्रतिशत रहा है। इससे पिछली यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में यह 11.4 अरब डॉलर और एक साल पहले 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 16.8 अरब डॉलर था। शुद्ध एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रवाह अप्रैल-दिसंबर, 2023 में 8.5 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2022-23 की इसी अवधि में यह 21.6 अरब डॉलर था। साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार (भुगतान संतुलन आधार पर) में चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में छह अरब डॉलर की वृद्धि हुई। जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में इसमें 11.1 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी।

चीन पर भारत में सस्ता एल्युमिनियन फॉइल डंप करने का आरोप, क्या एक्शन लेगी सरकार?

परिवहन विशेष न्यूज

चीन ने अपने सस्ते उत्पादों के निर्यात से कई देशों के घरेलू उद्योगों को बड़ी चोट पहुंचाई है। अब भारतीय कंपनियों ने भी आरोप लगाया है कि चीन से सस्ते एल्युमिनियम फॉइल (aluminium foil) के आयात से उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने इसका सबूत भी दिया है। जानिए चीन के खिलाफ भारत सरकार क्या एक्शन ले सकती है।

नई दिल्ली। भारत ने चीन से आयात होने वाले एल्युमिनियम फॉइल (aluminium foil) के खिलाफ एंटी-डंपिंग जांच शुरू कर दी है। एल्युमिनियम फॉइल का इस्तेमाल खाद्य सामाग्री की पैकेजिंग के लिए होता है, ताकि वे जल्दी खराब ना हों। घरेलू कंपनियों का आरोप है कि चीन से एल्युमिनियम फॉइल के सस्ते आयात के चलते उन्हें भारी नुकसान हो रहा है।

कॉमर्स मिनिस्ट्री की जांच शाखा- डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (DGTR) एल्युमिनियम फॉइल की कथित डंपिंग की जांच कर रही है। एंटी-डंपिंग जांच का मतलब होता है कि कहीं सस्ते निर्यात की वजह से घरेलू इंडस्ट्री को नुकसान तो नहीं हो रहा।

किन कंपनियों ने की है चीन की शिकायत?

हिंडल्को इंडस्ट्रीज, श्याम सेल एंड पावर लिमिटेड, श्री वेंकटेश्वरा इलेक्ट्रोकास्ट और रवि राज फॉइल्स जैसी कंपनियों ने डोमेस्टिक इंडस्ट्री की ओर से जांच के लिए आवेदन दिया है। इनका आरोप है कि चीन से सस्ते निर्यात की वजह से घरेलू कंपनियों के हितों को तगड़ी चोट पहुंच रही है।

डायरेक्टोरेट ने एक नोटिफिकेशन में कहा कि घरेलू कंपनियों ने सस्ते निर्यात से इंडस्ट्री को हो रहे नुकसान का सबूत भी उपलब्ध कराया है। बयान के मुताबिक, 'अथॉरिटी को जो सबूत मिले हैं, उससे पहली नजर में जाहिर होता है कि चीन से सस्ते निर्यात की वजह से घरेलू इंडस्ट्री को नुकसान हो रहा है। इसलिए एंटी-डंपिंग जांच शुरू कर रहे हैं।'

जांच के बाद क्या एक्शन लिया जाएगा?

अगर जांच के बाद यह साबित हो जाता है कि सस्ते आयात से घरेलू कंपनियों को नुकसान हो रहा है, तो DGTR एल्युमिनियम फॉइल के इंपोर्ट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश करेगा। हालांकि, ड्यूटी लगाने के बारे में आखिरी फैसला वित्त मंत्रालय लेगा। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (WTO) के नियमों के अनुसार, कोई भी देश सस्ते निर्यात को रोकने और घरेलू कंपनियों को समान अवसर देने के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा सकता है।

भारत पहले ही चीन समेत कई देशों से होने वाले सस्ते निर्यात से निपटने के लिए कई उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा चुका है।

कम हुई मांग तो लुढ़क गया सोना-चांदी, दिल्ली में 10 ग्राम गोल्ड की अब इतनी है कीमत

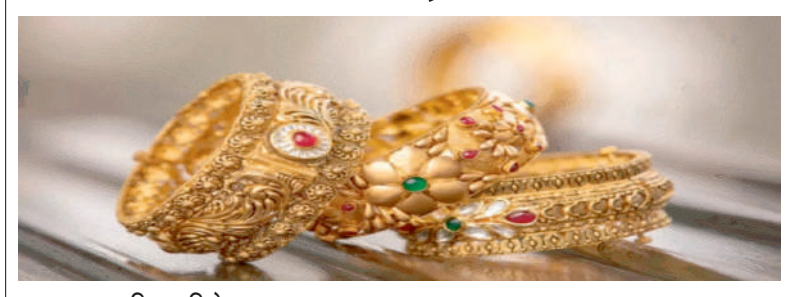

परिवहन विशेष न्यूज

होली के मौके पर बीते दिन सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की नई कीमत जारी नहीं हुई थी। आज देश के सभी शहरों में सोने-चांदी की नई कीमत जारी हो गई हैं। मंगलवार को वायदा कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिला है। इसका मतलब है कि ये दोनों कीमती धातु सस्ती हो गई है।

नई दिल्ली। सोना खरीदना भारत में काफा शुभ माना जाता है। आज दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने-चांदी के नए रेट जारी हो गए हैं।

मांग में कमी आने की वजह से आज वायदा कारोबार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है।

गोल्ड-सिल्वर का स्पॉट प्राइस

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोर रुझानों के बीच मंगलवार को सोने की कीमत 100 रुपये गिरकर 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसके अलावा चांदी भी 250 रुपये लुढ़ककर 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं, जो पिछले बंद से 100 रुपये कम है। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2,173 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 4 अमेरिकी डॉलर कम है। चांदी भी मामूली गिरावट के साथ 24.63 डॉलर प्रति औंस पर थी। पिछले बंद में यह 24.65 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ था।

वायदा कारोबार में सोना

आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 71 रुपये गिरकर 65,951 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 71 रुपये या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,951 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 7,016 लॉट का कारोबार हुआ।

फ्यूचर मार्केट में सिल्वर

मंगलवार को चांदी की कीमत 330 रुपये गिरकर 74,593 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मई डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 23,760 लॉट के कारोबार में 330 रुपये या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,593 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया।

बार-बार रिजेक्ट हो रहा होम लोन का आवेदन? कहीं ये 5 कारण तो जिम्मेदार नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

बहुत से लोग अपने सपनों का घर खरीदने के लिए होम लोन लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार उनका आवेदन रिजेक्ट भी हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता कि सभी दस्तावेज सही होने के बाद भी उन्हें होम लोन क्यों नहीं मिला। आइए जानते हैं कि बैंक किन वजहों से होम लोन का आवेदन रिजेक्ट करते हैं और आप कैसे वो गलतियां करने से बच सकते हैं।

नई दिल्ली। नोएडा के रहने वाले विनीत कई दिनों से होम लोन लेने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी ऐप्लिकेशन रिजेक्ट हो जा रही थी। विनीत की समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है, जबकि उनके सभी दस्तावेज भी दुरुस्त थे। जब विनीत ने बारीकी से पता लगाया, तो मालूम हुआ कि वह जिस प्रोजेक्ट और इलाके से लोन के आवेदन कर रहे हैं, उसे बैंकों ने ब्लैक लिस्ट कर रखा है।

अगर आप भी विनीत की तरह होम लोन के लिए अप्लाई कर रहे हैं और वह बार-बार रिजेक्ट हो जाता है, तो हम बता रहे हैं कि इसकी क्या वजह हो सकती है।

होम लोन में उम्र बन सकती है बड़ा फैक्टर

कोई भी बैंक या नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (NBFC) होम लोन देने से पहले यह चेक करती है कि उसके पैसे वापस मिलने की गुंजाइश कितनी है। यही वजह है कि वित्तीय संस्थान बुजुर्गों की तुलना में नौजवानों को कर्ज देना ज्यादा पसंद करती हैं।

अगर आपकी उम्र 50 साल से अधिक है, तो होम लोन की ऐप्लिकेशन रिजेक्ट होने की आशंका काफी ज्यादा रहती है। होम लोन की किश्त अमूमन 15 से 20 साल तक के लिए बनती हैं। ऐसे में बैंक को लगता है कि बुजुर्गों के साथ किसी अनहोनी की स्थिति में उनका कर्ज फंस सकता है। कई बार बुजुर्गों के पास रिटायरमेंट के बाद आमदनी का कोई निश्चित स्रोत नहीं भी होता।

यही वजह है कि बैंक लोन देने के मामले में नौजवानों को ज्यादा तरजीह देते हैं, खासकर 30 से 40 साल के बीच वालों को।

आवेदन में हो जानकारियों के साथ खेल ना करें

आप जब भी होम लोन के लिए अप्लाई करें, तो सभी जानकारियां सही दर्ज करें। अगर आप कोई गड़बड़ी करते हैं, तो आपका ऐप्लिकेशन रिजेक्ट होगा ही, साथ ही वह चीज आपके रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएगी। ऐसे में दूसरे बैंक या वित्तीय संस्थान से भी कर्ज लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। साथ ही, EMI को भी अपनी सैलरी के हिसाब से ही बनवाएं।

अगर बैंक को आपकी आमदनी और कर्ज की रकम के बीच तालमेल नजर नहीं आता, तो वह आपका ऐप्लिकेशन रिजेक्ट करने में एक भी पल की देर नहीं करेगा।

कहीं बैंक की नजर में आप 'क्रेडिट हंगरी' तो नहीं?

अगर आप होम लोन के लिए बार-बार इंक्वायरी कर रहे हैं और कर्ज नहीं ले रहे हैं, तो इस बात की आशंका अधिक हो जाती है कि आप जब सच में लोन लेने जाएंगे, तो आपका ऐप्लिकेशन रिजेक्ट हो जाए। दरअसल, होम लोन के लिए आवेदन करने पर वित्तीय संस्थान आपका क्रेडिट स्कोर अच्छे से चेक करते हैं, ताकि पता चल सके कि कर्ज चुकाने के मामले में आपका पिछला रिकॉर्ड कैसा है।

अगर बैंक आपका क्रेडिट स्कोर बार-बार चेक कर रहे हैं, तो उनकी नजर में आपकी छवि 'क्रेडिट हंगरी' शख्स की बन सकती है। ऐसे में लोन की इंक्वायरी तभी करें, जब आपको सचमुच लोन लेना हो।

एक बार में एक ही जगह करें आवेदन

होम लोन लेने के लिए एक बार में एक ही वित्तीय संस्थान में अप्लाई करें। बैंक या NBFC जब क्रेडिट स्कोर चेक करते हैं, तो उसकी डिटेल क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज कर देते हैं। अगर आप एक ही समय में कई बैंकों या NBFC के पास कर्ज के लिए जाएंगे, तो उन्हें पता चल जाएगा। इससे आपके बारे में वित्तीय संस्थान नकारात्मक राय बना सकते हैं और फिर आपका होम लोन का ऐप्लिकेशन रिजेक्ट हो जाएगा।

ब्लैक लिस्टेड प्रोजेक्ट और क्रेडिट हिस्ट्री न होना

कई बार बैंक और NBFC कुछ प्रोजेक्ट और इलाकों को ब्लैक लिस्ट कर देते हैं। उन्हें लगता है कि उन प्रोजेक्ट और इलाकों में कर्ज फंसने की आशंका अधिक है, क्योंकि उनका ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। अगर आप ऐसे प्रोजेक्ट या इलाकों से होम लोन के अप्लाई करेंगे, तो उसके रिजेक्ट होने की पूरी गुंजाइश रहेगी, जैसा कि विनीत के मामले में हुआ था।

वहीं, अगर आपकी कोई क्रेडिट हिस्ट्री नहीं है, तो भी आपका लोन ऐप्लिकेशन खारिज हो सकता है। इस स्थिति में बैंक अनुमान ही नहीं लगा पाता कि कर्ज चुकाने के मामले में आपका रिकॉर्ड कैसा है।

पीएम मोदी ने की बेल्जियम के प्रधानमंत्री से फोन पर बात, सेमीकंडक्टर-व्यापार समेत कई मुद्दों पर चर्चा

परिवहन विशेष न्यूज़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बेल्जिम समकक्ष अलेक्जेंडर डी क्रू से फोन पर बात की है। एक बयान में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि व्यापार, निवेश, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, हरित हाइड्रोजन, आईटी, रक्षा, बंदरगाह सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बेल्जिम समकक्ष अलेक्जेंडर डी क्रू से फोन पर बात की है। इस दौरान दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पश्चिम एशिया में शांति, सुरक्षा की बहाली और रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि फोन पर बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने पिछले सप्ताह ब्रुसेल्स में पहले परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए डी क्रू को भी बधाई दी।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने की पीएम मोदी से फोन पर बात

फोन पर बातचीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया। जिसमें उन्होंने लिखा, बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू से बात की। ब्रुसेल्स में पहले परमाणु ऊर्जा शिखर सम्मेलन की सफलता पर उन्हें बधाई दी। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, बेल्जियम की अध्यक्षता में भारत-ईयू साझेदारी को आगे बढ़ाने और क्षेत्रीय और सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

यूक्रेन औ गाजा से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा- अलेक्जेंडर डी क्रू

हालांकि बेल्जिम प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, यूक्रेन और गाजा में संघर्ष और लाल सागर में शिपिंग लेन की सुरक्षा पर चर्चा के लिए पीएम मोदी को फोन किया। हमने अपने बढ़ते वाणिज्यिक संबंधों के बारे में भी चर्चा की।

सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स समेत कई मुद्दों पर चर्चा- पीएमओ

एक बयान में प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि व्यापार, निवेश, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, हरित हाइड्रोजन, आईटी, रक्षा, बंदरगाह सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने यूरोपीय संघ परिषद की मौजूदा बेल्जियम अध्यक्षता के तहत भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण हेतु सर्वे और भौतिक सत्यापन में गड़बड़ी का आरोप

कौड़ियों के भाव जमीन अधिग्रहण का पीड़ितों ने लगाया आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

गाज़ीपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 124डी में किसानों की खेती की पैतृक भूमि को कौड़ियों के भाव अधिग्रहण को लेकर किसानों में जबरदस्त आक्रोश है।

दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के अमारी और कंचनपुर गांव के किसानों का कहना है कि एन एच 124डी किसानों के भविष्य के लिए अभिशाप बन गया है। किसान अपनी पुश्तैनी भूमि पर खेती करके जीविकोपार्जन करते थे। उस खेत के अधिग्रहण के दौरान उचित मुआवजा नहीं मिला और सर्वे और भौतिक सत्यापन भी मनमाने ढंग से किया गया। इससे परेशान किसानों ने सुबह साढ़े दस बजे सांकेतिक विरोध जताया।

बताते चलें कि ज़खनियां अमारी मार्ग पर कंचनपुर गांव के दर्जनों किसानों की भूमि अमारी ग्राम सभा में स्थित है। किसानों का कहना है कि पहले सर्वे में भौतिक सत्यापन के दौरान उनकी भूमि अधिग्रहण में नहीं पड़ रही थी लेकिन बाद में खेतों में पत्थर उनके भूमि में लगा दिए गए। किसानों का अब तक मुआवजा भी नहीं मिला है। कहा गया कि सुदामी देवी गाटा संख्या 192 का भौतिक सत्यापन सड़क के बीच से 11 मीटर दोनों तरफ से लिया गया था तब मकान 2 मीटर छूट रहा था लेकिन पत्थर लगाने के बाद अब मकान 2 मीटर अंदर चला गया। नरेंद्र राम, प्रेम, राजेश, नौरंगी 199 गाटा संख्या की भूमि में भी पत्थर तो लगा दिया गया लेकिन आज तक मुआवजा नहीं मिला। वहीं रामबली राम का 200 गाटा संख्या साढ़े पांच विस्वा भूमि जबकि गाटा संख्या 227, 228, 190,194, 167, 168, 195,166,167, 168, 128, 186, 192 के किसानों के लिए भूमि अधिग्रहण करने का पत्थर तो लगा दिया लेकिन आज तक

मुआवजा नहीं मिला। कंचनपुर गांव के रामबली राम ने कहा कि गाटा संख्या 66 का दो विश्वा भूमि अधिग्रहण किया जिसका मुआवजा मात्र दो लाख बानबे हजार ही मिला। जेपी राम ने कहा कि किसानों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। भौतिक सत्यापन और सर्वे का रिपोर्ट पूरी तरह से मानक के अनुरूप नहीं बनाई गई। सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को हो रहा है। विजेंद्र कुमार ने कहा कि सैदपुर से मरदह एन एच 124डी का जो सर्वे हुआ है कहीं ना कहीं लोगों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अख्तियार किया गया है। इस सड़क पर कई ऐसे बड़े विद्यालय है जिनकी गेट के पास सड़क का सर्वे किया गया है।जो मानक के खिलाफ है।

पीड़ित मनोज राम व रामबली रामने बताया कि सी आर ओ को आपत्ति देकर न्याय की मांग किया गया लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। किसानों ने उच्चाधिकारियों से सही सर्वे और भौतिक सत्यापन करने की मांग के साथ ही साथ उचित दर पर मुआवजा देने की मांग की है। विरोध जताने वालों में किसान त्रिभुवन राम, जे पी राम, मनोज कुमार, विजेंद्र कुमार, अनिल कुमार,जयप्रकाश राम, सुदामी देवी, नरेंद्र,राजेश राम, उर्मिला देवी, शीला देवी,याजवेंद्र, विजेंद्र, मनोज राम, अनिल कुमार,रामबली राम,रूपचंद राम,रामस्वरूप राम सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

मोरबी पुल हादसा: आरोपी जयसुख पटेल को मिली सशर्त जमानत, जिले में प्रवेश पर रोक; पासपोर्ट जमा करने का भी निर्देश

मोरबी सस्पेंशन पुल हादसे मामले में मुख्य आरोपी ओरेवा ग्रुप के सीएमडी जयसुख पटेल को सशर्त जमानत मिल गई है। कोर्ट ने उन्हें सात दिनों के भीतर पासपोर्ट जमा कराने के भी निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि गुजरात के मोरबी शहर में नदी पर बना मोरबी सस्पेंशन ब्रिज 30 अक्तूबर, 2022 को ढह गया, जिसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी।

नई दिल्ली। गुजरात में 2022 को हुए मोरबी सस्पेंशन पुल हादसे मामले में मुख्य आरोपी ओरेवा ग्रुप के सीएमडी जयसुख पटेल को आखिरकार जमानत मिल गई है। सुनवाई पूरी होने तक जिले में उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, उनकी जमानत के लिए सात कड़ी शर्तें लगाई गई हैं।

कड़े नियम-शर्तों के साथ दी गई आरोपी को जमानत

इस मामले के मुख्य आरोपी जयसुख पटेल को प्रधान सत्र न्यायालय न्यायाधीश पीसी जोशी के आदेश पर मोरबी उप-जेल से रिहा कर दिया गया था, कुछ दिनों बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनकी नियमित जमानत याचिका की अनुमति दी और ट्रायल कोर्ट को उनके लिए कड़े नियम और शर्तें तय करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि गुजरात के मोरबी शहर में नदी पर बना मोरबी सस्पेंशन ब्रिज 30 अक्तूबर, 2022 को ढह गया, जिसमें 135 लोगों की मौत हो गई।

नियमित जमानत पर रिहा करने के लिए सात शर्तें लगाई

विशेष लोक अभियोजक विजय जानी ने कहा कि प्रधान सत्र न्यायाधीश पीसी जोशी की अदालत ने मंगलवार को मामले के मुख्य आरोपी जयसुख पटेल को नियमित जमानत पर रिहा करने के लिए सात शर्तें लगाईं हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी को मुकदमे की समाप्ति तक मोरबी जिले से बाहर रहने और केवल मुकदमे की तारीखों पर जिले का दौरा

करने का निर्देश दिया गया।

सात दिनों के भीतर पासपोर्ट जमा करने के निर्देश

उन्होंने बताया कि आरोपी को जमानत बॉन्ड के रूप में एक लाख रुपये जमा करने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करने या गवाहों को प्रभावित नहीं करने का भी निर्देश दिया गया। अदालत ने पटेल को सात दिनों के भीतर अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया और उन्हें ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के लिए मौजूद रहने का निर्देश दिया।

आरोपी ने जमानत के लिए शीर्ष अदालत का किया था रुख

सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को जयसुख पटेल को सख्त जमानत शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया, जिसका फैसला ट्रायल कोर्ट करेगी। पिछले दिसंबर में गुजरात हाईकोर्ट द्वारा उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करने के बाद जयसुख पटेल ने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर आप पार्टी का प्रदर्शन

परिवहन विशेष ।एसडी सेठी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी की रिमांड और गिरफ्तारी के खिलाफ मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पटेल चौक पर आम आदमी पार्टी के सैंकडों कार्यकर्ताओ ने जबरदस्त प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रकट किया। इस विरोध प्रदर्शन में शामिल बडी संख्या में शामिल महिलाओ के उग्र प्रदर्शन पर पुलिस नें प्रदर्शन कर रहीं महिलाओ को हिरासत में ले लिया। इस बीच कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की 28 मार्च तक रिमांड को बडा दिया गया है।

वहीं दूसरी। वहीं केजरीवाल के ईडी की रिमांड के बावजूद पानी एवं सीवर की परेशानी पर लोगों की शिकायतों पर तुरंत कारवाई के आदेश जारी करने को लेकर खासी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने ईडी को सख्त निर्देश दिए हैं कि कोई भी सरकारी फाइल किसी भी सूरत में सीएम अरविंद केजरीवाल के हस्ताक्षर के लिए नहीं आनी चाहिए। लेकिन हैरत की बात है कि कोर्ट के निर्देश के बावजूद स्वास्थ्य से संबंधित मौहल्ला क्लिनिक से जुडी शिकायतों के निपटारे पर एक-बार फिर केजरीवाल नें आदेश दिए।

इससे पहले आज मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी के आवास पर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन करने की बात थी। लेकिन पुलिस द्वारा पीएम आवास पर प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी गई। पुलिस द्वारा पीएम आवास पर प्रदर्शन को लेकर कर्तव्य पथ ,समेत पटेल चौंक, राजीव चौक मैट्रो स्टेशनों की एंट्री व निकास गेट को बंद कर दिए गए। लेकिन आप के सैंकडों

कार्यकर्ताओ का हुजूम पटेल चौंक तक पहुंच गया ।प्रदर्शन करने वालों में महिलाओ की संख्उया अधिक थी ।न्होने वहीं पर ही प्रदर्शन कर अपनी गिरफ्तारियां दी। उल्लेखनीय है कि अगामी 31 मार्च को नई दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस और आप पार्टी ने महा रैली करने का फैंसला किया है। उस दिन आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ तगडा आंदोलन खडा करने का इरादा किया है। दूसरी तरफ आज शनिवार को ही नई दिल्ली में भाजपा के सैंकडों कार्यकर्ताओ द्वारा सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर जबरदस्त प्रदर्शन किया गया।

श्री आईजी गौशाला होली मिलन व धूम - धाम से मनाया गया होली का उत्सव

हैदराबाद मल्काराम। बालाजीनगर श्री आईजी गौशाला में रविवार को पुजा - अर्चना शाम 11.15 बजे होली दहन किया और गैर नृत्य भी किया सोमवार को सायं 4 बजे से पुजा - अर्चना की ओर होली मिलन एवं गैर नृत्य ओर गोभक्त दान - पुण्य का लाभ लिया। लगभग बीस गैरों ने गैर नृत्य किया, सभी गैरों को इनाम दिया है, सभी गैरों का फुलों से स्वागत किया, होली फुलों से खेली गई है रंगारंग गैर चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम गैरों द्वारा आयोजित किया सभी गैर राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लिया है भोजन प्रसादी का लाभ लिया है अध्यक्ष मंगलाराम पंवार उपाध्यक्ष कालुराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा कोषाध्यक्ष नारायणलाल समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं समस्त गौभक्त बन्धुओं।

श्री आईममाता जी बडेर में धूम - धाम से मनाया गया होली का उत्सव

हैदराबाद। जीडिमेटला श्री आईममाता जी बडेर में रविवार को पुजा - अर्चना शाम 11.15 बजे होली दहन किया और गैर नृत्य भी किया सोमवार को सुबह 9.15 से पुजा - अर्चनाकर ओर बच्चों की ढुंढ कार्यक्रम शुरू किया होली फुलों से खेली गई है रंगारंग गैर चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम गैरों द्वारा आयोजित किया शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे पांच गैरों द्वारा गैर नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया, ओर सभी गैरों को इनाम दिया, सभी गैर राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लिया है भोजन प्रसादी का लाभ लिया है अध्यक्ष मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष अर्जुनलाल बर्फा, उपाध्यक्ष केराराम , सचिव नारायणलाल बर्फा, सह सचिव प्रेम पंवार समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं सीरवी समाज बन्धुओं।

सीरवी समाज आईलापुर बडेर में धूम - धाम से मनाया गया होली का उत्सव

संगारेड्डी। आईलापुर बिरमगुडा श्री आईममाता जी बडेर में रविवार को पुजा - अर्चना शाम 11.15 बजे होली दहन किया और गैर नृत्य भी किया सोमवार को सुबह 9.15 से पुजा - अर्चनाकर ओर बच्चों की ढुंढ कार्यक्रम शुरू किया होली फुलों से खेली गई है रंगारंग गैर चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम गैरों द्वारा आयोजित किया , सभी गैर राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लिया है भोजन प्रसादी का लाभ लिया है अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा, उपाध्यक्ष राकेश चोयल, उपाध्यक्ष कुनाराम सोलंकी, सचिव मोहनलाल भायल, सह सचिव बाबूलाल मुलेवा, कोषाध्यक्ष मलाराम सोलंकी, माह सभा उपाध्यक्ष माणक चन्द्र गहलोत समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं महिला मंडल, गैर मण्डली, सीरवी समाज बन्धुओं।

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक सीमा पार हेरोइन नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और करोड़ों रुपये की हेरोइन और लाखों रुपये की ड्रग मनी जब्त की

अमृतसर (साहिल बेरी) अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस एक सीमा पार हेरोइन नेटवर्क का भंडाफोड़ करने में सफल रही है। पुलिस ने 2019 में अटारी बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान से भारत पहुंची 532 किलो हेरोइन के मास्टरमाइंड रणजीत सिंह उर्फ चीता निवासी सराय अमानत खां के दो साथियों को भी गिरफ्तार किया है। यह पूरा नेटवर्क मलेशिया से संचालित हो रहा था. फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने कहा कि अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से 4 किलो हेरोइन और 3 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है. पकड़ी गई हेरोइन सीमा पार से भारत आई थी। गिरफ्तार तस्करों का सीधा संबंध पाकिस्तान के तस्करों से है। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरन जिले के सराय अमानत खान निवासी आकाशदीप सिंह उर्फ आकाश और कुलदीप सिंह उर्फ गोरा के रूप में हुई है। तरन. है इन दोनों पर पहले से ही मारपीट और एनडीपीएस के मामले दर्ज हैं. सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को बी-ब्लॉक गेट हकीमा से गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों गुरप्रीत सिंह गोपा के रिश्तेदार हैं, जो रणजीत सिंह उर्फ चीता का करीबी है और मलेशिया चला गया था। तरनतारन इलाके में सीमा पार पाकिस्तान से ड्रग्स पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि दोनों यहीं के रहने वाले हैं। तरनतारन।, लेकिन पंजाब के दूसरे शहर में किराए पर रह रहे थे। उस कमरे से पूरा नेटवर्क चल रहा था और वे पाकिस्तान से आने वाली खेप को वहां जमा कर रहे थे। पुलिस की एक टीम उस कमरे की तलाशी के लिए भी रवाना हो गई है. उम्मीद है कि आने वाले दिनों में कुछ और तस्कर पकड़े जाएंगे. इस समय प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एडीसीपी डॉ. दर्पण अहलूवालिया और एसीपी सुरिंदर सिंह भी मौजूद थे।

मणिपुरी युवती की मौत मामले में अब CBI जांच; हेमंत सोरेन की याचिका पर अप्रैल में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मणिपुरी युवती की मौत मामले में अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच करेगा। दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश निरस्त करते हुए शीर्ष अदालत ने जनता के भरोसे पर भी टिप्पणी की। बता दें कि 2013 में दक्षिणी दिल्ली में एक किराए के घर में 25 साल की युवती की रहस्यमयी मौत हुई थी।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 25 वर्षीय मणिपुरी युवती की मौत के मामले में कहा, अनसुलझे अपराध कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थापित संस्थानों में जनता के विश्वास को कम कर देते हैं। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) जांच का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा, जाहिर तौर पर 25 साल की युवती के लिए आत्महत्या करने का कोई कारण नहीं दिखता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला नहीं लगता है। अपराध स्थल पर फर्श पर खून बिखरा हुआ पाया गया। बिस्तर पर बिछी चादर खून से सनी हुई थी। यह हत्या जैसी प्रतीत होती है। इसलिए दोषियों को दोषी ठहराया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपराधिक जांच निष्पक्ष और प्रभावी दोनों होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, जांच की निष्पक्षता पर हम कुछ नहीं कहते... लेकिन यह तथ्य कि जांच प्रभावी नहीं रही है। मृतकों के रिश्तेदार मणिपुर में रहते हैं। उन्हें दिल्ली में अधिकारियों से संपर्क करने में वास्तविक और तार्किक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद उनकी आशा बरकरार है।

भारत-बांग्लादेश सीमा: बीएसएफ के जवानों पर जानलेवा हमला, जवाबी कार्रवाई में एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर

परिवहन विशेषन्यूज

दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता डीआईजी एके आर्य ने बताया कि घटना मंगलवार को भारत-बांग्लादेश सीम (जिला मालदा) में दक्षिण बंगाल सीमान्त के अंतर्गत सीमा चौकी केदारीपाड़ा, 159वीं वाहिनी की है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने पशु तस्करी को नाकाम कर दिया। इस दौरान पशु तस्करों ने बीएसएफ के जवानों पर धारदार हथियारों और लाठी डंडों से हमला बोल दिया। बीएसएफ ने जब आत्म रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई की तो उसमें एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर हो गया। बांग्लादेशी पशु तस्कर की पहचान अलामिन बोयरागी जिला- नौगांव, बांग्लादेश के रूप में हुई है। तस्कर पशुओं को भारत से बांग्लादेश ले जाने की फिराक में थे।

कई बार दी चेतावनी लेकिन नहीं माने तस्कर

दक्षिण बंगाल सीमांत के प्रवक्ता डीआईजी एके आर्य ने बताया कि घटना मंगलवार को भारत-बांग्लादेश सीम (जिला मालदा) में दक्षिण बंगाल सीमान्त के अंतर्गत सीमा चौकी केदारीपाड़ा, 159वीं वाहिनी की है। जानकारी अनुसार, 26 मार्च को लगभग 0300 बजे, सीमाचौकी केदारीपाड़ा के जवान ड्यूटी प्वाइंट 7 पर अम्बुश तथा पेट्रोलिंग करते हुए आगे बढ़ रहे थे। तभी उन्होंने पीछे कच्चे रास्ते (भारतीय की तरफ) कुछ मवेशियों और सात से आठ तस्करों की संदिग्ध हरकत देखी। जवानों ने उन्हें रुकने की चुनौती दी लेकिन वे एसीपी/डोमिनेशन लाइन की ओर बढ़ते रहे। तस्कर नहीं रूके आगे ही बढ़ते रहे। जब वे करीब 40 मीटर दूर पर थे तो जवान ने उन्हें फिर रुकने की चेतावनी दी लेकिन तस्करों कोई ध्यान नहीं दिया।

जवान के पास नहीं था और कोई चारा

जानकारी के मुताबिक वे लगातार आगे बढ़ते रहे। जवान ने उन्हें रोकने के लिए हवा में फायरिंग की। लेकिन तस्कर रूके नहीं वे रूके नहीं। डोमिनेशन रेखा को पार कर लिया। जवान ने संयम बरतते हुए जमीन की ओर एक और फायर किया। लेकिन तस्कर बढ़ते रहे। जवान ने जैसे ही तस्करों का पीछा करना शुरू किया तभी तीन से चार तस्कर लाठियों और तेज धार वाले हथियार (दाह) से लैस होकर उनके चेहरे और आंखों पर

एलईडी लाइट लगाकर जवान को अंधा और अप्रभावी बनाने के लिए आक्रामक तरीके से उनकी ओर बढ़ने लगे।

अपनी जान को खतरा महसूस करते हुए जवान उन्हें रोकने के लिए चिल्लाया, फिर भी तस्करों ने जवान को घेरना शुरू कर दिया और बिल्कुल नजदीक आ गए। जवान की चेतावनी को नहीं मानकर जब वे जवान के बहुत नजदीक पहुंच गए और उस पर हमला कर दिया, लेकिन जवान ने बहादुरी के साथ मुकाबला करते हुए कोई विकल्प न होने पर, जवान ने अपनी राइफल से आत्मरक्षा में दो राउंड फायर किए।

इस पर तस्कर दल घबरा गया और वे बांग्लादेश के साइड के साथ-साथ भारत साइड की ओर भी भाग गए। तुरंत आसपास ड्यूटी प्वाइंट से अन्य जवान भी मौके पर पहुंचे और फिर इलाके की तलाशी ली। इस दौरान वंहा से दो तेजधार वाले दाह, एक लाठी और मोबाइल व टॉर्च बरामद की व अज्ञात पशु तस्कर घायल अवस्था में पड़ा मिला। बीएसएफ ने उसे प्राथमिक उचार देकर अस्पताल पहुंचने के उपक्रम में उसने दम तोड दिया।

तस्कर की पहचान बांग्लादेशी नागरिक के रूप में हुई

सूत्रों की खबर से मृतक बांग्लादेशी पशु तस्कर की पहचान अलामिन बोयरागी ग्राम- चक बिष्णुपुर कॉलोनी, बिष्णुपुर, जिला- नौगांव, बांग्लादेश के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 2 किमी भारतीय सीमा के अंदर हुई और मृतक का घर बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 3.5 किमी की दूरी पर है। उल्लेखनीय है कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर ये जानलेवा हमला करने की यह कोई पहली घटना नहीं है। सीमा सुरक्षा बल के बांग्लादेशी तस्कर/उपद्रवियों के द्वारा पशु तस्करी के संबंध में बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड को बार-बार विरोध पत्र देने के बावजूद, बांग्लादेशी तस्कर/बदमाश जानबूझकर अवैध रूप से पशु तस्करी कर रहे हैं। वे सीमा की रक्षा कर रहे बीएसएफ जवानों पर हमला करते रहते हैं। इस वर्ष बांग्लादेशी पशु तस्करों द्वारा बीएसएफ पर जानलेवा हमले के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें से एक जवान ने ऐसे ही हमले में अपनी बांह लगभग खो दी है और अन्य जवान ने अपनी आंख खो दी और अन्य कई जवान गंभीर रूप से घायल हो चुकें है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023